दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 दो दिन बाद गोरखपुर में दिखेगा ठंड का कहर | 5 खून से लथपथ लाश | 8 भारतीय महिला टीम पहला वनडे 5 विकेट से हारी

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 24 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 09 दिसम्बर, 2024

दो बाइक आमने-सामने टकराई, ससुराल से बच्चों को लेकर लौट रहा था

हादसा मोहद्दीपुर बिजली घर के मोड़ पर शुक्रवार रात 12 बजे हुआ।

3 घायल हैं, जिन्हें मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

गोरखपुर में पिता और 2 बेटियों समेत 5 की मौत

गोरखपुर में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें पिता, दो बेटियों और दो दोस्त शामिल हैं।

हादसे के बाद बच्चियों की नानी अस्पताल पहुंचीं। वो रोते-रोते बेसुध हो गई।

हादसे में घायल पत्नी मेडिकल कालेज में भर्ती है, उसकी हालत नाजुक है।

गोरखपुर। मोहद्दीपुर बिजली कॉलोनी निवासी विक्रांत के साले की 11 दिसंबर को शादी थी। 5 दिन पहले से ही कार्यक्रम शुरू हो जाता है। सभी रिश्तेदार वहां जुटे थे। विक्रांत भी पत्नी निकिता (30), बेटे अंगद (5), दो बेटियां लाडो और (1) परी के साथ कार्यक्रम में शामिल होने जटेपुर उत्तरी गए थे। चूल्हा रस्म में शामिल होकर शुक्रवार देर रात विक्रांत बाइक से परिवार के साथ घर आ रहा था। रात 12 बजे मोहद्दीपुर बिजली घर के पास नहर रोड की ओर मुड रहा था, तभी कूड़ाघाट की ओर से आ रही दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। इसी बीच एक तीसरा बाइक सवार आ गया। वह बचने के चक्कर में सामने से आ रहे ट्रक में घुस गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने विक्रांत, उनकी बेटियां लाडो, परी और दो दोस्त मोनू चौहान (32), सूरज (28) को मृत घोषित कर दिया। रुस्तमपुर निवासी मोनू- बेतियाहाता हनुमान मंदिर निवासी सूरज मुंडन कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। विक्रांत की पत्नी, उनका बेटा और ट्रक में घुसे चिन्मयानंद मिश्र की हालत गंभीर है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने विक्रांत, उनकी बेटियां लाडो, परी और दो दोस्त मोनू चौहान (32), सूरज (28) को मृत घोषित कर दिया। रुस्तमपुर निवासी मोनू- बेतियाहाता हनुमान मंदिर निवासी सूरज मुंडन कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। विक्रांत की पत्नी, उनका बेटा और ट्रक में घुसे चिन्मयानंद मिश्र की हालत गंभीर है।

घटना की सूचना पाकर डीएम कृष्णा करुणेश और डॉ. गौरव ग्रोवर देर रात मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां उन्होंने डॉक्टरों से बात कर घायलों का हाल जाना। डीएम ने बताया कि हादसे में 5 लोगों की मौत हुई है।

काश! मान ली होती ससुराल के लोगों की बात

अस्पताल पहुंच विक्रांत के ससुराल वालों ने कहा- हम लोगों ने खाना खाने के बाद विक्रांत को घर पर ही रुकने का कहा था, लेकिन उनका घर शहर में ही है। इसलिए वह पत्नी और बेटियों के साथ निकल दिए और हादसा हो गया। बच्चियों की नानी का रो-रो कर बुरा हाल है। वह रोते हुए कह रही थीं कि अब शादी में कौन नाचेगा। परिजनों ने बताया कि लाडो शादी में डांस करने को लेकर काफी उत्सुक थी।

दिल्ली में सुबह-सुबह मर्डर

बर्तन कारोबारी को दो बदमाशों ने गोलियों से भूना

दिल्ली के फर्श बाजार इलाके में एक व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बदमाशों ने सुबह करीब साढ़े आठ बजे वारदात को अंजाम दिया। व्यापारी अपने दोपहिया वाहन से घर लौट रहा था। इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने उसे गोलियां मार दीं। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संवाददाता, नई दिल्ली। फर्श बाजार थाना इलाके के बिहारी कॉलोनी में बर्तन कारोबारी संजय को बदमाशों ने कई गोलियां मार दीं। दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। गंभीर हालत में संजय को डॉक्टर हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस वारदात को अंजाम सुबह लगभग साढ़े आठ बजे दिया गया है। बताया जा रहा है संजय अपने दो पहिया वाहन से घर लौट रहे थे।

रोड पर पड़े थे घायल

डीसीपी (शाहदरा) ने बताया कि फर्श बाजार थाना में गोली चलने की घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो देखा कि गोलियां लगने से सुनील जैन (52) घायल पड़े हुए थे। वो कृष्णा नगर में रहते थे।

मश्वर्निंग वश्वक कर लौट रहे थे घर

सुबह के समय यमुना स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में सैर करने गए थे। इसके बाद वो अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने गोलियां मार दीं। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। उनकी विश्वास नगर 60 फुटा रोड बर्तन की दुकान है। वारदात वाले स्थान से 700 मीटर दूर उनकी दुकान है।

गोरखुपर में पेट्रोल भराने के विवाद में चली गोली

पेट्रोल पंप पर मची अफरा-तफरी, कोई हताहत नहीं

गोरखपुर। गोरखपुर में इंदिरा नगर स्थित (हिंदुस्तान पेट्रोलियम) पेट्रोल पंप पर शुक्रवार की दोपहर बाद गोली चलने से सनसनी फैल गयी। विवाद पहले तेल भराने को लेकर हुआ। सूचना पाकर मौके ओर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तार नहीं है। दोपहर में पेट्रोल पम्प लर कुछ भीड़ थी। इसी बीच बाइक में पहले तेल भरवाने की बात पर विवाद हो गया। दोनों पक्ष भिड़ गए। पंप कर्मियों ने समझा-बुझाकर दोनों को अलग कर दिया। वहां से 20 कदम आगे बढ़ते ही पम्प के निकास द्वार पर एक पक्ष ने दुसरे पर फायरिंग कर दी। गोली चलाने वाले तीन लोग थे और एक ही बाइक पर सवार थे।

बाल-बाल बचे, नहीं लगी गोली

इस घटना में लोग बाल-बाल बच गए। वहां कई लोग थे लेकिन किसी को गोली नहीं लगी। गोली चलाने वालों को लोगों ने दौड़ा लिया। उनपर पत्थर भी फेंका लेकिन वे बाइक से भाग गए। घटना की जानकारी होने पर पेट्रोल पंप के मालिक दुर्गेश पांडेय भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि पुलिस घटना की जांच कर रही है। उन्हें विवरण उपलब्ध करा दिया गया है।

दो बार दौड़ाया

हमलावरों ने युवक को दो बार दौड़ाया। गोली चलाने के बाद एक बार बाइक पर बैठकर जाने लगे तो युवक उनकी ओर दौड़ा। बाइक रोककर वे दोबारा उसकी ओर दौड़े तो युवक भाग गया। इसके बाद और लोग ईंट-पत्थर फेंकते हुए हमलावरों की ओर दौड़े लेकिन वे भाग निकले।

पुलिस कर रही जांच

घटना की सूचना पाकर मौके ओर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। पेट्रोल पम्प से सीसीटीवी फूटेज भी लिया गया है। बताया जा रहा है कि फूटेज में गोली चलाने वाले नजर आ रहे हैं। इसी के आधार पर जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। जल्द ही गोली चलाने वाले को पकड़ लिया जाएगा।

पास में है राज्यसभा सदस्य का घर

जिस पेट्रोल पंप पर घटना हुई, उससे थोड़ी ही दूरी पर राज्य सभा सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव डॉ राधामोहन दास अग्रवाल का आवास है। यह सड़क गोरखपुर को लखनऊ से जोड़ती है। वाराणसी जाने के लिए भी इसी रास्ते का प्रयोग किया जाता है। इस वीआईपी क्षेत्र में दिन दहाड़े हुई घटना लोगों में चर्चा में है।

एक्सप्रेस-वे पर हादसा 8 की मौत

एक्सप्रेस-वे पर लखनऊ के प्रोफेसर पति और पत्नी की मौत, जिंदा बची बेटी को कुछ पता नहीं

लखनऊ। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में लखनऊ के प्रोफेसर धर्मेंद्र वार्ष्णेय (53) उनकी पत्नी अंकुर बॉबी (45) की भी मौत हो गई। धर्मेंद्र वार्ष्णेय बेटी को बस से कन्नौज छोड़ने जा रहे थे। प्रोफेसर धर्मेंद्र वार्ष्णेय आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर जे-340 में रहते थे। हादसे की खबर के बाद घर में सन्नाटा पसरा है। घर में मौजूद मेड ने बताया कि मां विमला को अभी तक बेटे और बहू के निधन की सूचना नहीं दी गई है। धर्मेंद्र वार्ष्णेय के दो बच्चे हैं। एक बेटा और एक बेटी।पड़ोसियों का कहना है धर्मेंद्र की मौत की खबर ने पूरे कॉलोनी को झकझोर दिया है।

गिरीश यादव और बेटे की कहानी

इस हादसे में लखनऊ के बीबीडी ग्रीन सिटी निवासी गिरीश यादव (52) की भी मौत हुई है। गिरीश यादव आर्मी से रिटायर थे। वह बेटे देवेंद्र यादव (27) के साथ तीन दिन के लिए दिल्ली जा रहे थे। हादसे में बेटा देवेंद्र गंभीर घायल है। गिरीश और देवेंद्र बीबीडी ग्रीन सिटी के सन ब्रिज अपार्टमेंट के 13वें फ्लोर पर रहते थे। देवेंद्र की मां को भी इस घटना की जानकारी नहीं दी गई है। मां का फोन आने पर उनको दिल्ली पहुंचने की बात कहकर उन्हें ढांढस बंधाया जा रहा है।

पूरी तरह टूट चुका परिवार

हादसे से दोनों परिवार सदमे में है। धर्मेंद्र वार्ष्णेय के पड़ोसी ने कहा- हमने सोचा नहीं था ऐसा होगा। उनके न होने से परिवार पूरी तरह टूट चुका है। बीबीडी ग्रीन सिटी के निवासी गिरीश यादव को भी लोग सुलझे और जिम्मेदार इंसान के रूप में याद कर रहे हैं। उनके निधन ने पूरे अपार्टमेंट को झकझोर कर रख दिया है।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2 लाख और गंभीर घायलों को 50,000 की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

सम्पादकीय

संभल का सच छिपाती सरकार

अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हिंसाग्रस्त संभल (उत्तर प्रदेश) जाने के लिये बुधवार की सुबह अपनी बहन व सांसद प्रियंका के साथ निकले तो थे।

अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हिंसाग्रस्त संभल (उत्तर प्रदेश) जाने के लिये बुधवार की सुबह अपनी बहन व सांसद प्रियंका के साथ निकले तो थे, लेकिन तकरीबन डेढ़ सौ किलोमीटर पहले ही गाजीपुर बॉर्डर पर उन्हें रोक दिया गया। उप्र पुलिस ने उन्हें आगे जाने की इजाजत नहीं दी। पिछले दिनों वहां की शाही मस्जिद में सर्वेक्षण को लेकर जो हिंसा हुई थी, उसका सच छिपाने के लिये उप्र तथा केन्द्र की डबल इंजिन सरकार इतनी बेताब है कि वह यह भी भूल गयी कि राहुल अब केवल रायबरेली के सांसद या एक पार्टी विशेष के नेता ही नहीं है बल्कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। किसी घटना स्थल का दौरा करना उनका सिर्फ नैतिक कर्तव्य नहीं है वरन यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है। यदि सरकार इस हद तक जाती है तो साफ है कि वह संभल का सच छिपाना चाहती है। सत्य के उजागर होने का डर साफ दिखाई पड़ता है।

उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अन्य नेताओं व अपने काफिले के साथ दिल्ली–गाजीपुर सीमा पर पहुंचे तो वहां तैनात बड़े पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। राहुल की कोई भी बात नहीं मानी गयी और उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं मिली। उन्होंने इस आशय का प्रस्ताव तक दिया कि वे अकेले जाने के लिये तैयार हैं और उनके साथ चाहें तो पुलिस अधिकारी चल सकते हैं। उन्हें बार–बार इस बात की दुहाई दी गयी कि वहां जाने से माहौल और बिगड़ेगा। श्ऊपर से ही उन्हें न जाने देनेश के आदेश के संकेत तो दिये गये लेकिन ऐसा कोई आदेश दिखाया नहीं गया। अंततरू राहुल–प्रियंका को लौट जाना पड़ा।

एक अदालती आदेश के बाद शाही मस्जिद का, जो तकरीबन 500 साल पुरानी है, भारतीय पुरातात्विक विभाग द्वारा 24 नवम्बर को सर्वेक्षण किया गया था। पहला सर्वे शांतिपूर्ण गुजरा लेकिन जब दूसरे चरण के सर्वे के लिये वजूखाना खाली कराया गया, तो शहर में हिंसा भड़क उठी थी। इसे शांत करने के नाम अल्पसंख्यकों के खिलाफ जुल्म होने के आरोप अनेक संगठनों तथा कई विपक्षी नेताओं ने लगाये हैं। सांसद डिम्पल यादव (समाजवादी पार्टी) का आरोप है कि राज्य में विधानसभा की 9 सीटों के लिये हुए उपचुनाव के मद्देनजर भाजपा ने दंगे कराये। इसमें लगभग आधा दर्जन लोगों की पुलिस के गोली चालन से मौत हो गयी थी। अगर यह आरोप सही है तो इसका फायदा मिलता दिखा भी। भाजपा को 7 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल हुई। उसी दौरान हुए महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान भी संभल मामले को भाजपा ने भुनाने की कोशिश की थी। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले हरियाणा के विधानसभा चुनाव में प्रचार करते हुए श्बटेंगे तो कटेंगेश का जो नारा दिया था, उसे उन्होंने झारखंड के दूसरे तथा महाराष्ट्र के प्रचार–अभियान के दौरान संभल का दृष्टांत देते हुए दोहराया था। यह अलग बात है कि उसे महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से यह कहकर खारिज कर दिया गया था कि श्महाराष्ट्र में यह नारा नहीं चलेगा।श संभल की प्रासंगिकता बनाये रखने तथा उसका हवाला देने में सहूलियत हो, इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्एक हैं तो सेफ हैंश का नारा दिया था।

बहरहाल, संभल की घटना को लेकर उप्र सरकार का कहना रहा है इस हिंसा के दोषी अल्पसंख्यक हैं। यदि ऐसा होना सच भी मान लिया जाये तब तो उप्र सरकार को सभी को संभल जाने देना चाहिये ताकि यह सत्य सामने आये। ऐसा वह इसलिये नहीं कर रही है क्योंकि वह जानती है कि सच्चाई कुछ और है। धर्म स्थलों से सम्बन्धित कोई विवाद स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्ष बुनियाद को हिला न सके इसलिये 1991 में उपासना स्थल अधिनियम बनाया गया था कि 1947 की स्थिति बरकरार रखी जायेगी। यानी कि जो धर्म स्थल जिस मजहब के हैं वे उसी के बने रहेंगे। जहां तक रामजन्मभूमि का मामला था तो उसे अपवाद माना गया था क्योंकि वह पहले से न्यायाधीन था। जब से (2014 में) मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सरकार बनाई है, तभी से उसके समर्थकों तथा कट्टर हिंदूवादियों का उत्साह आसमान पर है। वैसे तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं कि श्जरूरी नहीं कि रोज किसी धर्म स्थल की खुदाई की जाये,श लेकिन प्रति दिन देश की किसी न किसी मुस्लिम शासनकाल की इमारत के नीचे भाजपाइयों–संघियों या अनुषांगिक संगठनों से जुड़े लोगों को मंदिर या हिन्दू धर्म स्थल दिखलाई पड़ता है। यहां तक कि विश्वविख्यात ताजमहल परिसर में वे वहां कभी हनुमान चालीसा पढ़ते हैं या फिर जल चढ़ाते हैं। भारत के स्वतंत्र होने के बाद यह प्रावधान ऐसी ही उन्मादी घटनाओं को टालने के दृष्टिकोण से किया गया था ताकि विभिन्न धार्मिक मतों वाले इस देश में इन स्थलों पर विवाद न हों। संभल के बाद अब राजस्थान की एक निचली अदालत ने अजमेर की प्रसिद्ध ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की खुदाई के लिये भी आदेश पारित कर दिये हैं। संभल में यदि लोगों से बात होती तो ऐसी ही कई बातें सामने आतीं। वहां की हिंसा को लेकर यदि वास्तविक तथ्य सतह पर आएंगे तो यह भी साफ हो जायेगा कि इस घटना के पीछे किनका हाथ है। साथ ही यह भी पता चल सकता है कि राज्य सरकार की उसमें क्या भूमिका रही है। सत्तारुढ़ भाजपा ऐसा नहीं चाहेगी। यह भी नहीं चाहेगी कि राहुल या अन्य लोग वस्तुस्थिति का जायजा लें। ऐसा हुआ तो वह बेनकाब हो जायेगी।

नरेंद्र मोदी सरकार अमीरों पर सुपर टैक्स लगाने के मुद्दे पर चुप क्यों

भारत अब राजनीतिक रूप से स्थिर है और दुनिया के अन्य देशों की तुलना में विकास दर आरामदायक है। लेकिन असली समस्या असमानता का बढ़ना और भारी बेरोजगारी है। मोदी सरकार का बेरोजगारी पैदा करने वाला विकास मॉडल अपने तीसरे कार्यकाल में भी जारी है। मोदी सरकार के पास इस बार 2025–26 के बजट प्रस्तावों में सुपर अमीरों पर कर लगाकर भारी संसाधन जुटाने और उन अतिरिक्त निधियों को रोजगार सृजन और वंचितों की आय में सुधार के लिए सुनियोजित करने का एक बड़ा अवसर है। नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दूसरे बजट को संसद में पेश किये जाने में दो महीने से भी कम समय बचे हैं। वित्त वर्ष 2025–26 के इस केन्द्रीय बजट को अगले साल फरवरी में संसद में पेश किया जाना है। वित्त मंत्रालय में बजट की कवायद जारी है और विकास व्यय को पूरा करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था की दो प्रमुख चुनौतियों में बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन और निचले स्तर के लोगों की आय में सुधार शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे बेरोजगारों, खासकर महिलाओं और शिक्षित युवाओं के लिये नयी नौकरियों के सृजन के कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए सुपर अमीरों से अतिरिक्त संसाधन जुटायें।

मुकेश अंबानी परिवार और कुछ अन्य व्यवसायियों और फिल्मी सितारों के परिवारों में हाल ही में हुई शादी की धूमधाम ने दिखाया है कि एक सुपर अमीर व्यक्ति अपने बेटे या बेटी की शादी के लिए किस हद तक धन खर्च कर सकता है। भारत में सुपर अमीरों का एक ट्रिलियन डॉलर का विवाह उद्योग है। इनमें उद्योगपति, खिलाड़ी, फिल्मी हस्तियां और उच्च पदस्थ राजनेता शामिल हैं। उनकी शादी के खर्चों की जांच की जानी चाहिए और एक सीमा से अधिक कर लगाया जाना चाहिए। एक अनुमान के अनुसार, भारत में 170 से अधिक डॉलर–अरबपति हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। दो प्रतिशत कर से 1.5 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि श्रम प्रधान परियोजनाओं में रोजगार सृजन सहित विकास कार्यक्रमों पर खर्च की जा सकती है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ प्रणब बर्धन द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार, सरकार द्वारा संपन्न लोगों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सब्सिडी को कम करके अतिरिक्त संसाधन उत्पन्न किये जा सकते हैं।

भारत में, विरासत और संपत्ति कर शून्य है और पूंजीगत लाभ कर संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत कम है। कर प्रणाली अभी भी अमीरों के पक्ष में झुकी हुई है। उदाहरण के लिए, महामारी के संदर्भ में मोदी सरकार ने एक ही झटके में कॉर्पोरेट टैक्स की दर कम कर दी और सरकारी खजाने को 18.4 खरब रुपये का नुकसान हुआ। डॉ. बर्धन का अनुमान है कि 10 खरब रुपये के फंड से भारत में 200 लाख नौकरियां पैदा की जा सकती हैं।

भारत के लिए, सुपर रिच पर विशेष कर लगाना बहुत समय से लंबित है। इस साल जनवरी में जारी नवीनतम ऑक्सफैम रिपोर्ट सहित सभी हालिया रपटों से पता चलता है कि असमानता लगातार बढ़ रही है। महामारी और महामारी के बाद के वर्षों में, बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के गरीब लोगों की जीवन स्थिति दयनीय है, जबकि उच्च मध्यम वर्ग और अमीरों की आय में वृद्धि हुई है। असमानता के बढ़ने का भारत में विशेष प्रभाव पड़ता है क्योंकि आम नागरिकों को पश्चिम और लैटिन अमेरिका के कई अन्य देशों और अन्य विकासशील देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जाता है।

ऑक्सफैम रिपोर्ट के अनुसार, भारत केवल पांच हाथों में बढ़ते औद्योगिक संकेन्द्रण का सामना कर रहा है, और अरबपतियों, निजी इक्विटी फंडों और मित्र पूंजीपतियों को समृद्ध कर रहा है, जिससे लोगों के बीच असमानता और गरीबी का अभूतपूर्व स्तर बढ़ रहा है। दलितों को निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उच्च और असहनीय आउट–ऑफ–पॉकेट शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वित्तीय बहिष्कार और दोनों में खुला भेदभाव।

कई वर्षों से ऑक्सफैम ने बढ़ती और अत्यधिक असमानता के बारे में चिंता जतायी है। 2024 में, सबसे बड़ा खतरा यह है कि ये असाधारण चरम सीमाएं नयी सामान्य स्थिति बन जायेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉर्पोरेट और एकाधिकार शक्ति एक निरंतर असमानता पैदा करने वाली मशीन है, साथ ही यह भी कहा गया है कि हम एक दशक के विभाजन की शुरुआत के दौर से गुजर रहे हैं।

सिर्फ तीन वर्षों में, हमने एक वैश्विक महामारी, युद्ध, जीवन–यापन की लागत का संकट और जलवायु परिवर्तन का अनुभव किया है। प्रत्येक संकट ने खाई को चौड़ा किया है – अमीरों और गरीबी में रहने वाले लोगों के बीच ही नहीं, बल्कि कुलीनतंत्र और विशाल बहुमत के बीच भी। सुपर रिच पर कर लगाने के बारे में जी–20 शिखर सम्मेलन की ऐतिहासिक घोषणा निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रगतिशील कराधान की वैश्विक खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कर सहयोग पर एक नया संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन नियम आधारित प्रणाली को तैयार करने के लिए आयोजित किया जा रहा है जो विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के नेतृत्व में जी–20 की अध्यक्षता की मजबूत स्थिति ने नवंबर के शिखर सम्मेलन में अमीर देशों को समावेशी विकास को बढ़ावा देने और अफ्रीकी देशों को अधिक संसाधनों के हस्तांतरण के लिए प्रभावी रूप से प्रतिबद्ध होने के लिए मजबूर किया।

नवंबर शिखर सम्मेलन में, जी–20 राष्ट्रों ने यह सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की कि सुपर–रिच पर कर लगाया जाये। जी–7 ने भी कम से कम इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सुपर–रिच पर कम कर लगाना एक समस्या है जिसे ठीक किया जाना चाहिए। यूनाईटेड किंगडम सरकार ने एक बजट पेश किया जिसमें करोड़पतियों और निगमों पर उचित कर लगाना शामिल है, और फ्रांस की रूढ़िवादी सरकार ने शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए योगदान करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। संयुक्त राज्य अमेरिका में, राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रम्प सुपर रिच पर कर लगाने के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि वे वास्तव में अपनी मेगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) नीति के एक हिस्से के रूप में कर कटौती की वकालत कर रहे हैं। लेकिन आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा जर्मनी अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनावों के बाद नये गठबंधन के सत्ता में आने के बाद इस मुद्दे पर फैसला ले सकता है।

भारत अब राजनीतिक रूप से स्थिर है और दुनिया के अन्य देशों की तुलना में विकास दर आरामदायक है। लेकिन असली समस्या असमानता का बढ़ना और भारी बेरोजगारी है। मोदी सरकार का बेरोजगारी पैदा करने वाला विकास मॉडल अपने तीसरे कार्यकाल में भी जारी है। मोदी सरकार के पास इस बार 2025–26 के बजट प्रस्तावों में सुपर अमीरों पर कर लगाकर भारी संसाधन जुटाने और उन अतिरिक्त निधियों को रोजगार सृजन और वंचितों की आय में सुधार के लिए सुनियोजित करने का एक बड़ा अवसर है। 2025–26 के बजट में इस कर को लागू करने की मांग में इंडिया ब्लॉक पार्टियों को भी समान रूप से मुखर होना चाहिए। एक बार में भारी मात्रा में अतिरिक्त संसाधन जुटाने का यही एकमात्र तरीका है।

झुलसते देश में फिल्म की स्क्रीनिंग

उत्तरप्रदेश के संभल में इन दिनों यही प्रयोग किया जा रहा है। शाही जामा मस्जिद के नीचे हरिहर मंदिर होने के दावे के आधार पर अदालत ने सर्वे की अनुमति दे दी और एक नहीं दो–दो बार सर्वे हो गए। इससे जो तनाव उपजा और अशांति कायम हुई, उससे सब वाकिफ हैं। पहली बात तो सर्वे की अनुमति देना ही उपासना स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ था। दुनिया में भारत की खास पहचान उसके बुनियादी चरित्र के कारण कायम हुई। वह चरित्र जो हमेशा सत्य की प्रतिष्ठा का आग्रही रहा है, साथ ही उदारता, सद्भाव, अहिंसा, त्याग, लचीलेपन जैसे गुणों को तरजीह देता आया है। दुनिया के सभी धर्मों के अनुयायी भारत में हैं। पूरे विश्व में सम्राट अशोक जैसी मिसाल नहीं है, जिन्होंने एक युद्ध जीतने के बाद हिंसा और रक्तपात देखकर न केवल जीता हुआ राज्य लौटा दिया, बल्कि आजीवन अहिंसा का ही पालन किया। हमारी पौराणिक कथाओं में कर्ण जैसे चरित्र हैं, जो सत्ता के लालची दुर्योधन का साथ केवल मित्रता के नाते देता है और जिसे सम्मान से याद किया जाता है, क्योंकि उसने दानवीरता की मिसाल कायम की। दुनिया ने गांधी की अहिंसा की ताकत को स्वीकार किया, बुद्ध की शिक्षा को अपनाया। भारत को इन महान चरित्रों के कारण याद किया जाता रहा है।

लेकिन अब इतिहास का हवाला देकर भारत की इस चारित्रिक विशेषता को ही खत्म करने का काम संघ और भाजपा करने में लगे हैं। अब वैश्विक पटल पर भारत का नाम गौतम, गांधी, अशोक या अकबर के कारण नहीं आ रहा, बल्कि कश्मीर, अयोध्या, मणिपुर, संभल और अजमेर में बढ़ रहे तनाव के कारण आ रहा है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने संसद भवन में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी। इस फिल्म को भाजपा शासित तमाम राज्यों में काफी बढ़ावा मिल रहा है, प्रधानमंत्री से पहले भाजपा के कई मुख्यमंत्री इस फिल्म को देख चुके हैं। इस फिल्म में तथ्यों और कल्पना का कितना घालमेल है, यह अलग विश्लेषण का विषय है। लेकिन याद रहे कि बीबीसी का तथ्यों पर आधारित वृत्तचित्र द मोदी क्वेश्चन भारत में प्रतिबंधित है, क्योंकि सरकार को इसमें नरेन्द्र मोदी के खिलाफ साजिश नजर आई। बहरहाल, सवाल यह है कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकताएं क्या हैं। जून में तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद उनका काफी वक्त हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र चुनावों के प्रचार में बीता, जो बचा वक्त रहा, उसमें उनकी कई विदेश यात्राएं हो गईं। इस दौरान तीसरी बार संसद का सत्र लगा है, लेकिन इसमें भी लगातार व्यवधान ही देखे गए और जब सत्र चल भी रहा है तो प्रधानमंत्री संसद कम पहुंच रहे हैं। 18–18 घंटे काम करने और एक भी छुट्टी न लेने का जो तमगा श्री मोदी के कंधों पर लगा हुआ है, वो कितना असली है, इसकी परख भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री होने के नाते श्री मोदी को अधिक वक्त देश के मुद्दों और समस्याओं पर गौर करने में बिताना चाहिए। लेकिन इस दौरान वे एक ऐसी फिल्म देखने के लिए वक्त निकाल रहे हैं, जिसका आम जनजीवन पर न कोई असर पड़ना है, न इसका कोई सरोकार उससे जुड़ा है। गुजरात बीते भी 20 साल हो चुके हैं। उस वक्त के सच अब बिलकिस बानो की तरह सिर उठाकर समाज के सामने आ चुके हैं। समाज के सामने अब उस सच का सामना करने और सबक लेने की जरूरत है। लेकिन यहां कोई खेल रचा जा रहा है। अब गुजरात की तरह उत्तरप्रदेश और धीरे–धीरे बाकी देश में ऐसी ही प्रयोगशाला बनाने की तैयारी हो रही है, जहां सच को झुलसाकर राख किया जाए और उस राख पर सत्ता के महल बनाए जाएं। इस काम के लिए जो टूलकिट बनाई गई है, उसमें मीडिया और न्यायपालिका दोनों को शामिल किया गया है।

उत्तरप्रदेश के संभल में इन दिनों यही प्रयोग किया जा रहा है। शाही जामा मस्जिद के नीचे हरिहर मंदिर होने के दावे के आधार पर अदालत ने सर्वे की अनुमति दे दी और एक नहीं दो–दो बार सर्वे हो गए। इससे जो तनाव उपजा और अशांति कायम हुई, उससे सब वाकिफ हैं। पहली बात तो सर्वे की अनुमति देना ही उपासना स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ था, जिसमें 1947 के बाद के किसी धार्मिक स्थल का चरित्र नहीं बदल सकते। लेकिन मई 2022 में ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने के दौरान तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने मौखिक टिप्पणी की थी कि पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र का निर्धारण निषिद्ध नहीं है। यानी आप किसी धार्मिक स्थल को दूसरे धार्मिक स्थल में तब्दील नहीं कर सकते, लेकिन यह तो बता सकते हैं कि वहां पहले क्या था। यह बौद्धिक बेईमानी की मिसाल है, जिसमें न्याय की आसंदी पर बैठे व्यक्ति ने अन्याय के लिए रास्ता बता दिया।

सर्वोच्च न्यायालय से आई इस टिप्पणी के बाद निचली अदालतों को मौका मिल गया कि वे किसी मस्जिद या दरगाह के नीचे क्या था, यह पता लगाने का आदेश आसानी से पारित कर सकें। संभल में यही खेल हुआ, वहां सर्वे की अनुमति दी गई और मुस्लिम पक्ष की बात सुने बिना ही कार्रवाई शुरु भी हो गई। दूसरी बात यह है कि सर्वे का काम शांति से, बिना किसी हो–हल्ले के हो सकता था।

लेकिन यहां बाकायदा मजमा लगने दिया गया और जब हालात बेकाबू हुए तो पुलिस कार्रवाई के लिए आगे आई। अब निर्दोषों की जान चले जाने के बाद इंटरनेट बंद करने, कर्फ़्यू लगाने जैसे उपाय किए गए और फिर विपक्ष के सांसदों को वहां जाने से रोका जा रहा है। भीम आजाद पार्टी के सांसद चंद्रशेखर, समाजवादी पार्टी के विधायकों और अब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संभल जाने से रोककर भाजपा सरकार ने बता दिया कि संभल में हालात सामान्य नहीं हैं और वहां बहुत कुछ ऐसा है, जिसे छिपाने की कोशिश की जा रही है।

संभल के बाद अब अजमेर शरीफ में यही हो रहा है और कतार में अगली बारी शायद अजमेर में ही अढ़ाई दिन का झोपड़ा मस्जिद की है, क्योंकि अजमेर के डिप्टी मेयर नीरज जैन ने इस मस्जिद को लेकर जारी बयान में दावा किया है कि इसमें संस्कृत कॉलेज और मंदिर होने के सबूत मिले हैं। गौरतलब है कि यह मस्जिद एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है। मई 2022 में राहुल गांधी ने कहा था कि देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है, चिंगारी लगाने की देर है। श्री गांधी के इस बयान पर काफी विवाद खड़ा हुआ था। भाजपा ने इसका खूब विरोध किया था। लेकिन अब लगता है कि श्री गांधी की टिप्पणी अनायास नहीं थी। मौजूदा राजनेताओं में चंद ही ऐसे हैं, जो न कभी अपनी बात से पलटते हैं, न जिनके दावे वक्त के साथ बदल जाते हैं और सबसे खास बात यह कि उनकी कही बात अक्सर सच साबित होती है। राहुल गांधी की गिनती इन्हीं नेताओं में शुमार होती है। राहुल गांधी भविष्यवक्ता नहीं हैं, लेकिन जननेता वे बन चुके हैं। सुरक्षित और सुविधाजनक दायरे के भीतर कैद रहकर वे राजनीति नहीं कर रहे, लोगों के बीच उतर कर देश की नब्ज टटोल रहे हैं। इसलिए वे जो कुछ कहते हैं वह बात अनुभव से निकली होती है और इसलिए सच हो जाती है। केरोसिन छिड़कने और चिंगारी लगाने की बात भी अब सच होती ही दिख रही है।

कानून व्यवस्था के नाम पर राहुल गांधी को तो संभल जाने से रोक दिया गया, जब संसद में इस पर सवाल उठे तो लोकसभा अध्यक्ष की आसंदी पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सदन में रहना चाहिए। क्या यही बात प्रधानमंत्री को कही जा सकती है कि आप को भी सदन में रहना चाहिए ताकि संसद सत्र में कामकाज हो सके। या क्या प्रधानमंत्री को यह कहा जा सकता है कि नेता प्रतिपक्ष को तो संभल जाने से रोका गया, लेकिन आपको वहां जाना चाहिए, ताकि लोगों के जख्मों पर मरहम लगे। जो अन्याय हुआ है, उसमें इंसाफ की गुंजाइश बने। या प्रधानमंत्री के मनोरंजन के लिए किसी नयी फिल्म की स्क्रीनिंग की तैयारी हो, ताकि देश में लगी आग की तपिश से श्री मोदी को कोई परेशानी न हो।

गोरखपुर के जूनियर हाईस्कूल में घुसकर छात्र को पीटा

बाइक चलाने को लेकर हुआ था विवाद दहशत में गेट कूदकर भागे छात्र

गोरखपुर। गोरखपुर के पिपराइच क्षेत्र स्थित आदर्श जूनियर हाईस्कूल में घुसकर शुक्रवार को मनबढ़ों ने एक छात्र की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि दो छात्रों के बीच बाइक चलाने को लेकर कहासुनी हुई थी। छात्र को मारने से रोकने पहुंचे विद्यालय के कर्मचारी से भी बदसलूकी की गई। विद्यालय के छात्र इतना डर गए थे कि गेट कूदकर बाहर भागने लगे।

सूचना पाकर पिपराइच पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। कुसम्ही क्षेत्र के कुरमौल उर्फ बड़हरा के आदर्श कन्या जूनियर हाईस्कूल में यह घटना हुई। मारपीट के आरोप में विद्यालय के प्रधानाध्यापक यूसुफ ने सात लड़कों के विरुद्ध तहरीर दी है। इस घटना में शामिल सभी छात्र नाबालिग हैं।

जल्द ही इसमें मुकदमा लिखा जाएगा। स्कूल में जबरन घुसे प्रधानाध्यापक का कहना है कि लगभग डेढ़ दर्जन बच्चे सुबह 8रू30 बजे ही जबरदस्ती स्कूल परिसर में घुस आए। अंदर आते ही वे एक छात्र को पीटने लगे। इस घटना से विद्यालय परिसर में अफरा–तफरी मच गई। अन्य छात्र इधर–उधर भागने लगे। बीच–बचाव करने गए कर्मचारी को भी पीटा गया।

कुर्सी व सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ डाला

अराजकतत्वों ने छात्र की पिटाई के साथ स्कूल में तोड़फोड़ भी की। स्कूल में कुर्सियां तोड़ दी गईं। गेट पर लगा सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया गया। मारपीट करने के बाद अराजकतत्व वहां से निकल गए। बताया जा रहा है कि सभी हमलावर उसी गांव के हैं। उनकी पहचान कर ली गई है। इस घटना से विद्यालय के छात्रों में दहशत है।

विद्यालय प्रबंधन ने जो बताया

विद्यालय के प्रधानाध्यापक यूसुफ ने बताया कि रोज की तरह विद्यालय सुबह खुला था। कक्षाएं शुरू होने वाली थीं। उसी समय लगभग एक दर्जन से अधिक छात्र विद्यालय परिसर में घुसने लगे। रोकने का प्रयास हुआ लेकिन वे जबरदस्ती घुस आए। इस तरह की घटना से विद्यालय के बच्चे डर गए हैं। पुलिस को तहरीर देकर सभी आरोपितों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है।

गोरखपुर में पशु तस्करों ने फैलायी दहशत

शाहपुर इलाके से गोवंश लेकर भागे, डराने के लिए की पत्थरबाजी

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर थानाक्षेत्र में गुरुवार की रात पशु तस्करों ने पत्थरबाजी कर दशहत फैला दी। गोवंश उठाने गए तस्करों को मोहल्ले के लोगों ने टोका तो उन्होंने धमकी दी और पत्थर फेंकने लगे। इसके बाद तेजी से गोवंश लेकर फरार हो गए। इस घटना से क्षेत्र में काफी दहशत है। कुछ स्थानीय लोग पिस्टल लहराने व हवाई फायरिंग की चर्चा कर रहे हैं लेकिन पुलिस फायरिंग से इनकार कर रही है। सीसीटीवी कैमरे में भी फायरिंग की घटना रिकार्ड नहीं है।

ठंड शुरू होने के साथ ही पशु तस्करों का आतंक भी बढ़ जाता है। तस्कर इतने दुस्साहसी होते हैं कि हमला करने से तनिक भी नहीं घबराते। शाहपुर थानाक्षेत्र में ये तस्कर अधिक सक्रिय रहते हैं। गुरुवार की रात लगभग सवा 11 बजे शाहपुर काली मंदिर वाली गली में पशु तस्करों ने आराम से गोवंश को उठाया और निकल गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां एक व्यक्ति का नया मकान बना है। शुक्रवार को उसी उपलक्ष्य में उनके यहां रामायण का कार्यक्रम रखा गया है। परिवार के लोग रात में मकान की सफाई में जुटे थे। उसी मकान के आसपास पशु तस्कर गोवंश उठाने पहुंचे थे।

मोहल्ले के लोगों ने पूछा कहां ले जा रहे हो तो देने लगे धमकी

पशु तस्कर रात में काली मंदिर गली में पहुंचे थे। पिकप से आए लगभग चार तस्करों ने वहां से गोवंश को उठाना शुरू कर दिया। पड़ोस के लोगों ने पूछा कहां से आए हो तो उन्होंने खुद को लोकल बताया। लेकिन जब यह पूछा कि कहां ले जा रहे हो तो धमकी देने लगे। तस्करों ने धमकी देते हुए कहा कि अंदर भाग जाओ। घर की महिलाओं ने टोक रहे व्यक्ति को अंदर खींच लिया। उसके बाद पत्थरबाजी करते हुए वे फरार हो गए।

मोहल्ले की गलियों में घूमते हैं तस्कर

ठंड के समय पशु तस्करों की सक्रियता बढ़ जाती है। पिकप लेकर पशु तस्कर निकलते हैं। उनका लक्ष्य होता है किसी तरह से सड़कों पर घूम रहे गोवंश को उठाकर ले जाना। गोवंश दिखते ही तस्कर उन्हें पकड़कर गाड़ी पर लादते हैं। इस बीच यदि किसी ने उन्हें टोक दिया या वहां खड़े हो गए तो उसपर हमला कर देते हैं। ऊपर गाड़ी चढ़ाने से भी नहीं संकोच करते। शाहपुर क्षेत्र में तस्कर अधिक सक्रिय देखे जाते हैं। चरगांवा से करीमनगर को जोड़ने वाली सड़क पर भी उनकी सक्रियता रहती है। इस सड़क पर रात में अधिक गोवंश मिलते हैं।

पुलिस पर भी कर चुके हैं हमला

कुछ साल पहले शाहपुर क्षेत्र में ही तस्करों ने चौकी इंचार्ज व पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया था। गली में सामने दिखे दरोगा की बाइक तोड़ दी थी। दरोगा ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई थी। गुलरिहा थाना के पास एक व्यक्ति ने टोका तो उसकी गाड़ी तोड़ दी थी। बीच–बीच में पुलिस इस मामले को लेकर अभियान चलाती है तो इस तरह की घटनाओं में कमी आती है। पशु तस्करी पूरी तरह से रुक नहीं रही है।

पुलिस की सक्रियता बढ़ी थी तो बोलेरो का करने लगे थे

पुलिस ने जब अपनी सक्रियता बढ़ाई तो पशु तस्कर पिकप की जगह बोलेरो का उपयोग करने लगे। बोलेरो व अन्य बंद गाड़ी में ही गोवंश को लादकर भागने लगे। इधर फिर से वे पिकप के साथ सक्रिय नजर आ रहे हैं।

गोरखपुर में महिला से गैंगरेप

जमीन दिखाने के बहाने ले गया प्रश्नपर्टी डीलर कुस्मही जंगल में दोस्त संग की वारदात

गोरखपुर। गोरखपुर में एक महिला से गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक प्रॉपर्टी डीलर और उसके साथी महिला को जमीन दिखाने के बहाने ले गए और फिर उसे कुसम्ही जंगल में ले जाकर महिला से दरिंदगी की। झंगहा इलाके की रहने वाली महिला ने ैच सिटी अभिनव त्यागी से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, ैच सिटी ने इस मामले में जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जमीन खरीदने के लिए प्रश्नपर्टी डीलर से हुई थी मुलाकात

पीड़िता ने बताया कि उसके पति मुंबई में पेंट पॉलिश का काम करते हैं, जबकि वह झंगहा क्षेत्र स्थित अपने मायके में रहती है। घर बनाने के लिए उसे जमीन की आवश्यकता थी। इस दौरान उसकी मुलाकात जंगल सिकरी के एक प्रॉपर्टी डीलर से हुई, जिसने उसे विभिन्न जगहों पर जमीन दिखाई। एक जमीन उसे पसंद आई, और डीलर ने उसे उस जमीन के मालिक का मोबाइल नंबर दिया। फोन पर बातचीत के बाद तय हुआ कि महिला और जमीन मालिक मिलकर रेट पर बात करेंगे।

मिलने के लिए कुसम्ही जंगल में बुलाया

29 नवंबर को पीड़िता को दोनों से फोन आया और 30 नवंबर को दोपहर 12रू30 बजे मिलने का समय तय हुआ। महिला के मुताबिक, प्रॉपर्टी डीलर ने उसे मोटरसाइकिल से नंदानगर बुलाया, और वहां कुछ देर इंतजार कराने के बाद कहा कि जमीन मालिक से मिलाने के लिए वह उसे कुसम्ही जंगल में स्थित मन्दिर ले जाएगा। लेकिन मन्दिर की बजाय उसे जंगल के अंदर एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, जहां पहले से मौजूद आरोपी ने उसे घेर लिया और उसे धमकाते हुए कहा कि जमीन सस्ती मिलेगी, लेकिन इसके बदले उन्हें उनकी शर्तों पर सहमति देनी होगी।

विरोध करने पर दुष्कर्म और धमकी

महिला का आरोप है कि जैसे ही उसने इनकी बातों से इनकार किया, आरोपी ने उसे पकड़कर अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। विरोध करने पर उसे जमीन पर पटक दिया और दोनों ने उसके साथ गैंग रेप किया। पीड़िता का कहना है कि जब उसने पुलिस को सूचित करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। सिटी अभिनव त्यागी ने इस संगीन मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि घटना की पूरी जांच की जा रही है और दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न के विरोध में उबाल

गोरक्षनगरी में 11 को होगी जन आक्रोश रैली, जुटेंगे 35 हजार लोग

गोरखपुर। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं। गोरक्षनगरी में भी बड़े प्रदर्शन की तैयारी है। 11 दिसंबर की सुबह 11 बजे से महाराणा प्रताप इंटर कालेज के मैदान में आयोजित जन आक्रोश रैली में लगभग 35 हजार लोग जुटेंगे। इस प्रदर्शन की अगुवाई साधु, संत करने जा रहे हैं। सभी हिन्दू संगठन प्रदर्शन की तैयारी में जुटे हैं। रोज बैठकें हो रही हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय के उत्पीड़न की खबरें आ रही हैं। नरसंहार, गैंग रेप के समाचार ने भारत में लोगों को हिला दिया है। पूर्वांचल में भी इसका काफी विरोध है। गोरखपुर के आसपास के कई जिलों में प्रदर्शन हो चुका है।

सभी संगठनों की अलग-अलग हो रही बैठक

इस प्रदर्शन में साधु, संत अगुवाई करते नजर आएंगे। इसके लिए हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति का गठन किया गया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित विभिन्न संगठन इसमें भागीदारी निभा रहे हैं। सभी संगठनों की अलग–अलग बैठक हो रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) के पदाधिकारी मंच पर तो नजर नहीं आएंगे लेकिन पूरी तैयारी की निगरानी संघ कर रहा है।

बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर में हो चुका है प्रदर्शन

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ आदि जिलों में प्रदर्शन हो चुका है लेकिन गोरखपुर में हो रहा प्रदर्शन इनसे काफी बड़ा होगा। इसमें पूरे जिले से लोगों को बुलाया जा रहा है।

खुद से जुड़ रहे लोग

इस प्रदर्शन की तैयारी में जुटे नेताओं का कहना है कि बांग्लादेश की स्थिति से यहां के हिन्दू समाज में काफी आक्रोश है। लोग खुद से इस प्रदर्शन की तैयारी से जुट रहे हैं। प्रदर्शन में काफी भीड़ होने की संभावना है।

विपक्षी पार्टियों की नजर

इस प्रदर्शन के राजनीतिक निहितार्थ भी तलाशे जाने लगे हैं। विपक्षी पार्टियों की नजर इस प्रदर्शन पर है। भाजपा भी इस प्रदर्शन में मंच नहीं साझा करेगी लेकिन प्रदर्शन के दौरान पाट्री के नेता व जनप्रतिनधि मौजूद रहेंगे। यहां के विधायक भी प्रदर्शन को सफल बनाने में लगे हैं। उनकी बैठक भी हो चुकी है। माना जा रहा है कि पूरे प्रदेश में इस तरह के प्रदर्शन से हिन्दू समाज को एकजुट करने की तैयारी है। इसे इंडिया गठबंधन के पीडीए एवं जाति जनगणना की मांग का जवाब भी माना जा रहा है।

पुराने कलेक्ट्रेट के पास जुटेगी भीड़

इस प्रदर्शन का नेतृत्व कौन करेगा, इसका निर्णय अभी नहीं हो पाया है। पहले इसके लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर को चुना गया था लेकिन अब स्थान परिवर्तन करते हुए महाराणा प्रताप इंटर कालेज के मैदान में प्रदर्शन की तैयारी है। यह मैदान पुराने कलेक्ट्रेट के पास ही स्थित है। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपेंगे।

दो दिन बाद गोरखपुर में दिखेगा ठंड का कहर

हल्की बारिश के बाद पड़ेगी कड़ाके की ठंड, दिखने लगेगा शीतलहर का असर

गोरखपुर। गोरखपुर में आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 8 से 10 दिसंबर के बीच एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस पहाड़ों से होते हुए उत्तर भारत की ओर बढ़ेगा, जिसका असर गोरखपुर में भी देखा जा सकता है। इसके कारण गोरखपुर में हल्की बारिश और ठंड बढ़ सकती है।

हल्की बारिश और बादल छाने की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक 8 और 9 दिसंबर को गोरखपुर में हल्की बारिश और बादल छाने की संभावना है, जिससे दिन के तापमान में तेजी से गिरावट देखी जा सकती है। बारिश के कारण हवा में नमी भी बढ़ेगी, जिससे मौसम और भी ज्यादा ठंडा हो जाएगा। इस समय लोगों को दिन में भी गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी जा रही है।

ठंड में वृद्धि की संभावना

गोरखपुर में 9 दिसंबर से तापमान में गिरावट की शुरुआत हो सकती है, और 10 से 11 दिसंबर तक ठंड में इजाफा हो सकता है। इस दौरान गोरखपुर का तापमान 12–14 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। खासकर रात के समय ठंडक बढ़ने के साथ सर्द हवाओं का प्रभाव भी महसूस होगा। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि इस दौरान शीतलहर का असर महसूस हो सकता है, जिससे ठंड और बढ़ेगी।

प्रदूषण में कमी और स्वास्थ्य की सावधानी

गोरखपुर में ठंड के कारण स्वास्थ्य समस्याएं जैसे सर्दी, जुकाम और बुखार बढ़ने का खतरा हो सकता है। लोगों को इस मौसम में खास एहतियात बरतने की सलाह दी गई है, जैसे कि घर से बाहर जाने पर गर्म कपड़े पहनना और स्वास्थ्य का ध्यान रखना।

अदालत को चालीस साल लग गए ये जानने में कि दूध में फैट कितना था

1982 में दर्ज हुए मामलों में सुनाई गई सजा

लखनऊ। लखनऊ में एक दिलचस्प मामला सामने आया। दूध में फैट की मात्रा कितनी है इससे जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने चालीस साल के बाद फैसला सुनाया है। दूध में फैट कम मिलने के करीब चार दशक पुराने तीन अलग–अलग मामलों में फैसले आए हैं। आरोपियों पर तीन–तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। न्यायालय बंद होने तक उन्हें वहीं रुकने की सजा दी गई। ये फैसले अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने नवंबर माह में सुनाए हैं।

अल्लूनगर डिगुरिया निवासी मोती लाल फेरी लगाकर दूध बेचते थे। 42 साल पहले 24 अक्तूबर 1982 को एफएसडीए की टीम ने दूध का सैंपल लिया था। जांच में मिला था कि फैट मानक के अनुरूप नहीं है। तब वाद दायर किया गया था। दोषी मिलने पर आर्थिक दंड लगाया गया। 22 जून 1988 को वायरलेस चौराहे पर इंदिरानगर निवासी दूध विक्रेता राम लाल से भी सैंपल लिया था। इसमें 30 फीसदी फैट कम मिला था।

गोसाईगंज के सेमराप्रीतपुर के केशव की डेयरी से भी दूध का सैंपल लिया गया था। इसमें फैट 22 फीसदी कम मिला। इन दोनों मामलों में भी वाद दायर किया गया था। इसका निर्णय नवंबर में हुआ था। इन दोनों पर भी खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 (पीएफए एक्ट 1954) के तहत दोषी पाते हुए तीन–तीन हजार का जुर्माना लगाया गया।

शक्कर में सुक्रोज कम मिलने के मामले में 21 साल बाद फैसला

बीकेटी के रहने वाले सुरेश चंद्र गुप्ता की दुकान से 8 सितंबर 2003 को एफएसडीए की टीम ने शक्कर का नमूना लिया था। जांच में शक्कर में सुक्रोज की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम मिली थी। नमी भी पाई गई थी। मामले में सुरेश को दोषी पाया गया। उन पर छह हजार का जुर्माना लगाया गया। साथ ही न्यायालय के बंद होने तक उनको वहीं पर रुकने की सजा सुनाई गई।

ससुराल में युवक की मौत

नाराज परिजनों ने शव रखकर हाईवे किया जाम, घंटों चला हंगामा

अमेठी। अमेठी में ससुराल में युवक की मौत हो गई। नाराज परिजनों ने शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। हंगामा घंटों चला। पुलिस ने समझाकर शांत किया। यूपी के अमेठी में ससुराल में युवक की मौत पर बृहस्पतिवार को परिजन ने टांडा–बांदा हाईवे पर शव रखकर हंगामा किया। ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र की है।

प्रदर्शन से गौरीगंज क्षेत्र में टांडा–बांदा हाईवे करीब दो घंटे जाम रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घरवालों को समझाया। कार्रवाई के आश्वासन पर परिजन मानें। इसके बाद प्रदर्शन खत्म किया और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। पुलिस ने तहरीर मिलने पर केस दर्ज करने की बात कही है।

गौरीगंज थाना इलाके के नगरवां गांव निवासी हंसराज वर्मा (30) की ससुराल शहर कोतवाली क्षेत्र के भेटुआ मजरा बल्दूसिंह का पुरवा में थी। वह अपनी ससुराल गया था। वहां रात में फांसी लगाने से उसकी मौत हो गई। बृहस्पतिवार की सुबह परिवार के लोग सैकड़ों ग्रामीणों से उसका शव लेकर गौरीगंज पहुंचे। यहां टांडा–बांदा हाइवे पर मुसाफिरखाना तिराहे पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दी। इससे हाइवे जाम हो गया। ग्रामीण करीब दो घंटे तक हाइवे पर हंगामी प्रदर्शन करते रहे। यह लोग मृतक की ससुराल वालों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जाम लगने से शहर का यातायात घंटो प्रभावित रहा। पुलिस को जाम खोलवाने में पसीने छूट गए। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब प्रदर्शन खत्म हुआ। प्रदर्शन खत्म कर परिजन शव लेकर घर चले गए। पुलिस भी साथ में लगी हुई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

यूपी का मौसम–प्रदेश में फैली चटख धूप

लखनऊ। यूपी में बीते दो दिनों से चटख धूप दिख रही है। गुरुवार को भी मौसम पूरी तरह से साफ निकला। राजधानी लखनऊ और उसके आसपास मौसम साफ दिखा। उत्तर प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बुधवार को दिनभर तेज रफ्तार पछुआ हवाएं चलीं। हवाओं की वजह से दिन में खिली धूप में तपिश महसूस नहीं हुई। मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार को 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछुआ के असर से अगले तीन–चार दिन में तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं। पछुआ के जोर से कोहरा छंटेगा और हवा की गुणवत्ता भी सुधरेगी। प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट होगी और ठंड में इजाफा होगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक फेंगल चक्रवात के गुजर जाने के असर से यूपी में पछुआ ने जोर पकड़ा है। इसके असर से तापमान तो गिरेगा ही, हवा की सेहत भी सुधरेगी। बुधवार को वाराणसी में सर्वाधिक 31.1 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। वहीं प्रयागराज में अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री और फुरसतगंज में 30.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें अयोध्या में सबसे कम आठ डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

टायलेट में मोबाइल का मोह दे रहा पेट और हड्डी के रोग

50 फीसदी युवा फोन ले जाने की आदत के शिकार

लखनऊ । यदि आप भी टॉयलेट में मोबाइल ले जा रहे हैं तो यह आपके लिए खतरे की घंटी है। शौच के लिए फोन ले जाने वाले कुछ गंभीर बिमारियों को न्योता दे रहे हैं। 24 घंटे मोबाइल फोन लिए रहना मानसिक के साथ ही पेट व हड्डी संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है। केजीएमयू के गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग के सर्वे के मुताबिक पेट के संक्रमण वाले 50 फीसदी युवा टॉयलेट में मोबाइल लेकर जाते हैं। इससे वे संक्रमण का शिकार हो रहे हैं।

गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग की ओपीडी में तीन माह में आए 250 मरीजों को इस अध्ययन में शामिल किया गया। इनकी उम्र 14 से 50 साल के बीच थी। इनमें से काफी मरीज पेट साफ न होने की समस्या लेकर आए थे। जब उनसे दिनचर्या पूछा गई तो 50 फीसदी ने कहा, वे मोबाइल शौचालय में भी लेकर जाते हैं। इनमें से ज्यादातर की उम्र 20 से 35 साल तक थी।

डॉ. रुंगटा के मुताबिक शौचालय में तमाम प्रकार के खतरनाक बैक्टीरिया होते हैं। नंगी आंखों से ये नजर नहीं आते हैं, लेकिन व्यक्ति के पेट में जाकर ये गंभीर समस्या पैदा कर सकते हैं। टॉयलेट में मोबाइल ले जाने पर ये बैक्टीरिया फोन की स्क्रीन पर आ जाते हैं। स्क्रीन के माध्यम से बैक्टीरिया हाथ से होते हुए पेट में पहुंच जाते हैं। इससे संक्रमण हो जाता है।

मलाशय पर दबाव से पाइल्स का खतरा

डॉ. सुमित के मुताबिक टॉयलेट में फोन देखने की वजह से समय का पता नहीं चलता है। व्यक्ति 15 से 20 मिनट और कई बार इससे भी ज्यादा समय वहां गुजार देता है। इससे मलाशय पर दबाव पड़ता रहता है। यह पाइल्स का कारण बनता है। देर तक शौचालय में बैठे रहने की आदत कब्ज का भी कारण बनती है।

हड्डी की भी समस्या हो रही पैदा

डॉ. सुमित रुंगटा के मुताबिक देर तक शौचालय में बैठने की वजह से मांसपेशियों में अकड़न व घुटनों का दर्द हो सकता है। इसलिए ज्यादा देर तक शौचालय में समय गुजारने से बचना चाहिए। लोग टॉयलेट में व्हाट्सएप, फेसबुक, रील और वीडियो यहां तक कि मूवीज देखने लगते हैं। इसकी वजह से उनको पेट और हड्डी की समस्याएं हो रहीं हैं।

मेले में झूले से फिसली लड़की... हवा में लटकी

ऐसे बची जानय वीडियो देख रह जाएंगे हैरान

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के रकेहटी गांव में बुधवार की शाम झोलहू मेले से 14 साल की लड़की फिसल गई, जिससे वह गिरने से बची। उसने झूले का एंगल पकड़ लिया। करीब 30 सेकेंड तक वह लटकी रही। लखीमपुर खीरी के निघासन क्षेत्र के रकेहटी गांव में बुधवार की शाम झोलहू मेले में बड़ा हादसा होते–होते बच गया। मेले में झूले पर बैठी 14 साल की किशोरी के साथ ऐसी घटना हुई, जिससे उसकी जान पर बन आई। अचानक झूला चलने से वह फिसल गई। गनीमत रही कि गिरते समय उसने हाथ से झूले का एंगिल पकड़ लिया, जिससे वह लटक गई। वह मदद के लिए चीखने लगी। करीब 60 फुट की ऊंचाई पर लड़की को लटका देख लोग हैरान रह गए।

मौके पर अफरातफरी मच गई। लड़की ने हिम्मत नहीं हारी और करीब 30 सेकेंड तक एंगिल पकड़कर लटकी रही। धीरे–धीरे झूले को घुमाया गया। नीचे आने पर उसे उतारा गया। इस हादसे से लड़की बुरी तरह सहम गई। बताया गया है कि झूला संचालक का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। झगड़े के दौरान अचानक झूला चल गया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद झूले को बंद करा दिया गया है।

झगड़े के दौरान अचानक चला झूला

झूला संचालक आरिफ ने बताया कि बुधवार शाम करीब पांच बजे वह झूले पर लोगों को बैठा रहा था। इसी बीच सेमरा बाजार के तीन युवक आए और उसकी पिटाई करने लगे। इसी दौरान अचानक झूला बढ़ गया और एक किशोरी फिसल गई। उसने एंगिल में पकड़ लिया। आरिफ ने तुरंत झूला रोक दिया। फिर धीरे–धीरे झूले को घुमाया गया। इस दौरान लड़की एंगिल पकड़े रही, नीचे आने पर वह उतरी। घटना के संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक महेश चंद ने बताया कि मामले में तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है।

उधारी चुकाने के लिए पत्नी को किया दोस्त के हवाले

बरेली में पति की शर्मनाक करतूत

बरेली। बरेली के इज्जतनगर क्षेत्र में एक युवक ने अपनी पत्नी को दोस्त के हवाले कर दिया। पत्नी से कहा कि वह दोस्त की बात मान लें। पत्नी ने विरोध किया तो हमला कर उसे घायल कर दिया। बरेली में एक युवक की शर्मनाक करतूत सामने आई है। युवक ने पड़ोसी दोस्त की उधारी चुकाने के लिए अपनी पत्नी को उसके हवाले कर दिया। पत्नी ने विरोध जताया तो उस पर छुरी से हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गई। पीड़ित महिला ने पति समेत नौ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र की महिला ने बताया कि उसका पति, ससुर और ननद दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। चार बेटियां होने का ताना देते थे। छह सितंबर को चौथी बेटी के जन्म पर ससुरालवाले उसे अस्पताल में छोड़कर भाग गए थे। वह सबकुछ बर्दाश्त करती रही। एक नवंबर को पड़ोसी व्यक्ति घर आया और उसके साथ गलत काम करने की कोशिश की।

ससुरालवालों ने पीटा

महिला ने पति से शिकायत की तो उसने कहा कि पड़ोसी के मुझे पर रुपये उधार हैं। वह जैसा कहता है करो। अगले दिन ससुर से शिकायत की तो सभी ने मिलकर पिटाई कर दी। पति ने छुरी से गर्दन पर हमला कर दिया। घायल अवस्था में महिला मायके पहुंची। जिला अस्पताल में इलाज किया गया। आईजी के आदेश पर महिला थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शेरगढ़: भतीजी से दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

शेरगढ़ थाना क्षेत्र में नाबालिग भतीजी से दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया। आरोपी के खिलाफ एक महिला ने नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था।

रंगरलियां मना रहे थे देवर–भाभी

महिला ने किया था प्रेम विवाह, पति ने जब दिया धोखा तो उसके छोटे भाई से हुआ इश्क

गोरखपुर।शादीशुदा देवर का अपनी भाभी के साथ पहले से प्रेम प्रसंग चल रहा था। देवर की पत्नी को इस बात की जानकारी हो गई। इसलिए पति का विरोध करने लगी, लेकिन पति अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के महुआडीह थानाक्षेत्र के एक गांव में भाभी के साथ घर में रंगरेलियां मनाना देवर को भारी पड़ गया। सूचना पर घर पहुंचे पत्नी के मायके वालों ने उनकी जमकर पिटाई की। मौके पर पहुंची पुलिस ने देवर और भाभी को हिरासत में ले लिया।

महुआडीह थानाक्षेत्र के एक गांव में एक शादीशुदा देवर का अपनी भाभी के साथ पहले से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पत्नी को इस बात की जानकारी हो गई। इसलिए पति का विरोध करने लगी, लेकिन पति अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। इसकी वजह से पति–पत्नी में विवाद होने लगा। इसी बीच देवर भाभी को लेकर कहीं फरार हो गया। उसके बाद पत्नी मायके चली गई।

जानकारी के अनुसार, मायके वालों ने कुछ दिन पहले ही महुआडीह पुलिस को तहरीर देकर मामले के समाधान की मांग की थी। बृहस्पतिवार की शाम को देवर अपनी भाभी के साथ कई माह बाद घर आया। इसकी सूचना पत्नी को मिल गई। पत्नी मायके वालों के साथ शुक्रवार की सुबह घर आ गई। दोनों को रंगरेलियां मनाते पकड़ लिया। ससुराल वालों ने दोनों की पिटाई कर पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस देवर और भाभी को लेकर थाने ले गई। इस बात को लेकर गांव में खूब चर्चा है।

भाई दूसरे को भगा ले गया तो देवर का भाभी से हो गया प्रेम

देवर और भाभी का प्रेम प्रसंग भी किसी फिल्म की कहानी से कम नहीं है। जानकारी के मुताबिक, युवक एक युवती को भगा कर लाया और उससे प्रेम विवाह कर लिया। इसी बीच उसका किसी और महिला से संबंध हो गया, और वह अपनी पत्नी को छोड़कर प्रेमिका को लेकर फरार हो गया। उसके बाद उसके छोटे भाई का उसकी पत्नी से

प्रेम हो गया।

पत्नी को छोड़कर भाभी को लेकर रफूचक्कर हुआ देवर

देवर–भाभी का प्रेम इस कदर परवान चढ़ा कि देवर अपनी पत्नी को छोड़कर भाभी को लेकर रफूचक्कर हो गया। उधर, परेशान पत्नी अपने मायके चली गई। मायके वाले इस प्रयास में थे कि युवक अपनी भाभी को छोड़ दे या पत्नी से ही लिखित तौर पर रिश्ते तोड़ ले। लेकिन, वह पत्नी को घुमाता रहा। अब घर आया तो ससुराल वालों ने दोनों की पिटाई कर दी।

जानें क्या बोले अधिकारी

मायके वालों ने काफी दिनों से फरार चल रहे एक युवक व एक महिला को पकड़ कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अगर तहरीर मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी। –संजय कुमार रेड्डी, सीओ सिटी

खून से लथपथ लाश

दरवाजा मिला बंद...विवाहिता की जिस तरह से की हत्या, दहल गया दिल, सिहर उठे लोग

फतेहाबाद के नागर गांव के अर्जुन सिंह ने पुलिस को बताया कि 29 अप्रैल 2017 को बेटी अनीता की शादी मई गांव के बबलू उर्फ ब्रजेश से की थी। दो बच्चे आदित्य (4) और अदिति (2) हैं। पहली दिसंबर को पंचायत के बाद ससुराली अनीता को मई लाए थे। ससुरालियों ने उसकी पिटाई की। सोमवार को फोन कॉल पर पिटाई से अनीता की चीखें सुनाई दे रही थीं। मायके वाले मई गांव पहुंचे तो घर के अंदर खून से सना अनीता का शव फंदे से लटका था। मृतका के पैर जमीन पर थे।

आगरा। विवाहिता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उसकी लाश जिस हालत में मिली, देखकर लोग भी सिहर उठे। विवाहिता की लाश खून से लथपथ फंदे पर लटकी हुई थी। ससुराल वाले घर का दरवाजा बंद कर फरार हो गए। आगरा के बाह थाना क्षेत्र के बटेश्वर के मई गांव में सोमवार को घर में विवाहिता अनीता देवी (24) का खून से सना शव फंदे से लटका मिला था। ससुराली बाहर से दरवाजा बंद कर भाग गए थे। मंगलवार शाम साथ बजे पोस्टमार्टम के बाद शव गांव मई पहुंचा था। मायके वालों ने एफआईआर के लिए अंत्येष्टि रोक दी। बुधवार शाम पांच बजे 22 घंटे बाद बटेश्वर के मोक्ष धाम में अंतिम संस्कार हो सका।

फतेहाबाद के नागर गांव के अर्जुन सिंह ने पुलिस को बताया कि 29 अप्रैल 2017 को बेटी अनीता की शादी मई गांव के बबलू उर्फ ब्रजेश से की थी। दो बच्चे आदित्य (4) और अदिति (2) हैं। पहली दिसंबर को पंचायत के बाद ससुराली अनीता को मई लाए थे। ससुरालियों ने उसकी पिटाई की। सोमवार को फोन कॉल पर पिटाई से अनीता की चीखें सुनाई दे रही थीं। मायके वाले मई गांव पहुंचे तो घर के अंदर खून से सना अनीता का शव फंदे से लटका था। मृतका के पैर जमीन पर थे।

ससुराली भाग गए थे। बाह पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। मंगलवार शाम सात बजे शव मई गांव पहुंचा था। मायके वालों ने यह कह कर अंत्येष्टि रोक दी कि जब तक एफआईआर की कॉपी नहीं मिलेगी तब तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। बुधवार शाम पांच बजे एफआईआर की कॉपी मिलने के बाद मायके वालों ने बटेश्वर के मोक्ष धाम में अंतिम संस्कार किया। मुखाग्नि बेटे आदित्य ने दी। इस संबंध में एसओ बाह ने बताया कि मायके वाले एफआईआर की कॉपी ले गए हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राखी बंधवाने वाले भाइयों ने दिया कंधा

मायके वाले पोस्टमार्टम के बाद अनीता का शव लेकर मंगलवार शाम मई गांव पहुंचे थे। मृतका की मां मीरा देवी समेत मायके की महिलाएं बुधवार को दिनभर बेटी के शव के पास बैठ कर शोक में डूबी रहीं। पिता अर्जुन सिंह आदि मायके वाले एफआईआर के लिए थाने पर जमा रहे। बुधवार शाम एफआईआर की कॉपी मिलने पर बटेश्वर के लिए शव यात्रा शुरू हुई। कलाई पर राखी बंधवाने वाले भाई मनोज आदि ने अनीता के शव को कंधा दिया तो देखने वाले भी भावुक हो गए।

संगठन चुनाव के लिए भाजपा ने बनाए 36 पर्यवेक्षक

रमापति त्रिपाठी लखनऊ जिला एवं महानगर तथा उन्नाव देखेंगे

लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने नामों की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी को लखनऊ जिला एवं महानगर तथा उन्नाव का पर्यवेक्षक बनाया गया है। भाजपा ने संगठन चुनाव के लिए 36 पर्यवेक्षकों के नाम बुधवार को घोषित कर दिए। प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने नामों की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी को लखनऊ जिला एवं महानगर तथा उन्नाव का पर्यवेक्षक बनाया गया है। इसी तरह मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को गाजियाबाद महानगर, नोएडा महानगर, गौतमबुद्धनगर तथा बुलंदशहर का पर्यवेक्षक बनाया गया है। इसी तरह मंत्री सूर्य प्रताप शाही को आगरा जिला एवं महानगर, मथुरा जिला एवं मथुरा महानगर, स्वतंत्र देव सिंह को गोरखपुर जिला एवं महानगर व महराजगंज, धर्मपाल सिंह को मेरठ जिला एवं महानगर व बागपत, नरेंद्र कश्यप को बरेली एवं महानगर व आंवला, सोमेंद्र तोमर को बलरामपुर व श्रावस्ती, जसवंत सैनी को अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रदेश उपा

ध्यक्ष पंकज सिंह को अंबेडकरनगर, अयोध्या जिला एवं महानगर, संतोष सिंह को मुरादाबाद जिला एवं महानगर व रामपुर, सुनीता दयाल को मैनपुरी, फिरोजाबाद जिला एवं महानगर का पर्यवेक्षक बनाया गया है। प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला को मिर्जापुर, भदोही व सोनभद्र, अमर पाल मौर्य को जालौन, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, अनूप गुप्ता को प्रयागराज महानगर, गंगापार, यमुनापार एवं कौशांबी, प्रियंका रावत को फतेहपुर व महोबा, संजय राय को बाराबंकी व रायबरेली, सुभाष यदुवंश को लखीमपुर, सीतापुर, हरदोई, रामप्रताप सिंह चौहान को झांसी जिला एवं महानगर व ललितपुर, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि को मुजफ्फरनगर व बिजनौर की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर को हापुड़ व गाजियाबाद, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रामचंद्र कनौजिया को औरैया व इटावा, राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रभा शंकर पांडेय को सहारनपुर जिला एवं महानगर, डॉ. एमपी सिंह को शाहजहांपुर जिला एवं महानगर व पीलीभीत, विनोद पांडेय को अलीगढ़ जिला एवं महानगर व हाथरस, शेषनाथ आचार्य को बहराइच, गोंडा, राज्यसभा सदस्य दर्शना सिंह को संभल व अमरोहा, चौधरी तेजवीर सिंह को सिद्धार्थनगर व संतकबीरनगर, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी को शामली, अक्षयवर लाल गौंड को लालगंज, आजमगढ़, मऊ का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री जय प्रकाश चतुर्वेदी को कानपुर उत्तर, दक्षिण एवं ग्रामीण, पूर्व प्रदेश महामंत्री विंध्यवासिनी कुमार को कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, महोबा, अश्वनी त्यागी को जौनपुर, मछलीशहर, गाजीपुर, पूर्व सांसद सुब्रत पाठक को वाराणसी महानगर एवं जिला, चंदौली, पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को बदायूं, कासगंज, एटा, लल्लू सिंह को कुशीनगर, देवरिया, बलिया, पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण को बस्ती जिला का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया।

नागाओं के सामरिक ढांचे के रूप में अस्तित्व में आया आवाहन

प्रयागराज। सनातन धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र धारण करने का निर्णय लिए जाने के बाद दसों पदों के संन्यासियों की मढियों के सभी मठों के संचालकों की मौजूदगी में इस अखाड़े की स्थापना हुई। दशनाम नागा संन्यासियों के संगठन की सामरिक रचना के तहत श्रीपंच दशनाम आवाहन अखाड़ा अस्तित्व में आया। सनातन धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र धारण करने का निर्णय लिए जाने के बाद दसों पदों के संन्यासियों की मढियों के सभी मठों के संचालकों की मौजूदगी में इस अखाड़े की स्थापना हुई। इतिहासकार जदुनाथ सरकार ने 1547 में आवाहन अखाड़े की स्थापना का उल्लेख किया है। परमात्मा के भैरव स्वरूप की शक्ति भैरवी मां दुर्गा का आह्वान कर उनके प्रतीक शस्त्र भाला के रूप में इस अखाड़े को स्थापित किया गया। दिगंबर वेश में वस्त्र का परित्याग कर शस्त्रों से लैस होकर वितरण करने और धूनी रमाने वाले परमहंस संन्यासी के स्थान पर नागा संन्यासी कहे जाने लगे। इन शस्त्रधारी नागा संन्यासियों के केंद्र को धूनी नाम दिया गया। श्री महंत लालपुरी रचित दशनाम नागा संन्यासी नामक पुस्तक में इस अखाड़े की स्थापना और सामरिक गठन का विस्तार से जिक्र किया गया है। महंत लाल पुरी लिखते हैं कि 51 शक्तिपीठों के आधार पर 51 मढियों की भी स्थापना की गई। मढियों के समूहों को मिलाकर नागाओं का बेड़ा बनता था। वह बताते हैं कि इसका सबसे पहले नामकरण अखंड आवाहन रखा गया था।

तीन दिनों तक लगातार तापमान गिरेगा, माडरेट स्तर पर पहुंचा AQI

तेज हवा से लखनऊ में घटा प्रदूषण

तेज धूप से दिन में बढ़ रहा अधिकतम तापमान

सुबह के समय में यह तस्वीर अकबरनगर की है।

सुबह के समय लखनऊ का AQI

क्षेत्र	AQI
अलीगंज	38
लालबाग	170
अंबेडकर यूनिवर्सिटी	90
कुकरैल	75

लखनऊ का औसत AQI पांच दिनों का

दिनांक	AQI
3 दिसंबर	150
2 दिसंबर	224
1 दिसंबर	207
30 नवंबर	195
29 नवंबर	236
28 नवंबर	227

लखनऊ। लखनऊ में सुबह से तेज हवा चल रही है। इसके चलते प्रदूषण के स्तर में कमी देखने को मिल रही। 11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही सतही हवा से लगातार दूसरे दिन प्रदूषण कम हुआ है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज अधिकतम 30 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलेगी। ऐसे में ।फप् का स्तर और नीचे जा सकता है। सुबह से मौसम साफ बना हुआ है और तेज धूप निकली हुई है। आज राजधानी का अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास बना रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले तीन दिन तक तेज सतही हवा चलने का अलर्ट है। ऐसे में दिन और रात के तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस गिरावट आ सकती है। वहीं, हवा का रुख बदल गया है। चार–पांच दिनों से हवा दक्षिण–पश्चिम थी, जो अब उत्तर–पश्चिम हो गई है। यह हवा हिमालयी इलाकों से होकर आ रही है, जिस कारण ठंडक बढ़ेगी। दिन में लगातार हो रही तेज धूप के चलते न्यूनतम तापमान अपने अधिकतम स्तर तक पहुंच रहा है, जबकि रात में चल रही ठंडी हवा से न्यूनतम तापमान भी गिर रहा। बुधवार को अधिकतम तापमान 29.3 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री रहा। इसी तरह से आने वाले कुछ दिनों तक स्थिति बनी रहेगी।

मैं अकेला वहां जाने को तैयार हूं राहुल गांधी

प्रशासन ने भाजपा के इशारे पर इस घटना को अंजाम दिया : अखिलेश यादव

SDRF सिपाही और पत्नी सुसाइड केस में नया मोड़ शादी ही नहीं हुई थी

लखनऊ में एसडीआरएफ के सिपाही और उनकी गर्भवती पत्नी की आत्महत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। सिपाही के पिता ने कहा कि उसने दीपावली पर घर आकर कहा था कि पापा अब मेरी शादी तय कर दो। मेरे बेटे की शादी नहीं हुई थी।

हाथ बांधकर काटा गला... टेप से बंद किया था मुंह, चेहरा भी जलाया, युवक संग हुई क्रूरता देख कांपे पुलिसवाले

लखनऊ–50 साल पुरानी कॉलोनियों में एलडीए बनाएगा सात मंजिला अपार्टमेंट

लखनऊ। लखनऊ की पुरानी कॉलोनियों को गिराकर नए अपार्टमेंट बन सकेंगे। आवासीय जरूरतों को देखते हुए कई बड़े शहर ग्रुप हाउसिंग के नियमों में बदलाव कर रहे हैं। निरालानगर, महानगर, ऐशबाग, प्राग नरायन रोड जैसी एलडीए की 50 साल पुरानी योजनाओं (ट्रस्ट व लीज वाली) में अब 2000 वर्ग मीटर के प्लॉटों पर भी अपार्टमेंट बनाए जा सकेंगे। शर्त सिर्फ इतनी है कि वहां सड़क 12 मीटर चौड़ी हो। मंडलायुक्त रोशन जैकब की अध्यक्षता में बुधवार को हुई एलडीए बोर्ड की बैठक में यह प्रस्ताव पास कर दिया गया। इससे शहर की पॉश कॉलोनियों में अपार्टमेंट बन सकेंगे। इससे शहरवासियों को पॉश कॉलोनियों में फ्लैट मिल सकेंगे।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार व सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि एलडीए अभी तक अपनी कॉलोनियों में एकल आवासीय प्लॉटों पर ग्रुप हाउसिंग की अनुमति नहीं देता था। पुरानी कॉलोनियों में एक ही व्यक्ति को आवंटित 3000 से 4000 वर्ग मीटर तक भूखंड लीज और ट्रस्ट के तहत आवंटित हैं। जिन पर ग्रुप हाउसिंग बनाने के लिए लोग मानचित्र भी जमा कर थे, लेकिन एलडीए पास नहीं कर रहा था। अफसरों के मुताबिक, आवासीय जरूरतों को देखते हुए कई बड़े शहर ग्रुप हाउसिंग के नियमों में बदलाव कर रहे हैं। ऐसा करना समय की जरूरत भी है। लिहाजा एलडीए भी कुछ शर्तों के साथ अपनी 50 साल पुरानी योजनाओं में 2000 वर्ग मीटर या इससे बड़े एकल आवासीय प्लॉटों पर ग्रुप हाउसिंग बनाने की अनुमति देगा। प्लॉट के सामने 12 मीटर चौड़ी सड़क होना पहली शर्त है।

सात मंजिल तक के बन सकेंगे अपार्टमेंट

पास हुए प्रस्ताव में निर्माण को लेकर 1.5 प्रतिशत फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) दिया गया है। इस बारे में एक जानकार नगर नियोजक ने बताया कि जितना एफएआर दिया है, उसमें प्लॉट मालिक सभी नियमों का पालन करते हुए सात मंजिल तक निर्माण कर सकेगा। जमीन का कितना हिस्सा उपयोग में लिया जा रहा है, इसी से तय होता है कि कितनी मंजिल निर्माण किया जा सकता है। जो नियम है उसमें जमीन का जितना ज्यादा हिस्सा उपयोग किया जाएगा, उतनी कम मंजिलें बनेंगी।

ये शर्तें करनी होंगी पूरी

–प्लॉट कम से कम 2000 वर्ग मीटर का हो।

–अपार्टमेंट बनाने पर सेट बैक, सेफ्टी ऑडिट सहित ग्रुप हाउसिंग के सभी नियमों का पालन करना होगा।

–अनुमति देने से पहले एलडीए आमजन से आपत्ति–सुझाव मांगेगा। वे एक महीने में आपत्ति–सुझाव दे सकेंगे। आपत्तियों के निस्तारण के बाद ही अनुमति दी जाएगी।

–मौजूदा सर्किल रेट के मुकाबले जमीन की कीमत डेढ़ गुना होगी। लीज पर लेते समय जो पैसा जमा किया गया था, उसको घटाकर बाकी कीमत जमा करनी होगी।

–ग्रुप हाउसिंग के नियमों के तहत 10 प्रतिशत एलआईजी और ईडब्लूएस फ्लैट बनाने होंगे।

पुरानी कॉलोनियों में हैं 100 भूखंड, बन सकते हैं 2000 फ्लैट

एलडीए की 50 साल पुरानी योजनाओं में 2000 वर्ग मीटर के करीब 100 भूखंड होने का अनुमान है। इन भूखंडों पर बनने वाले अपार्टमेंटों में 2000 लोगों को फ्लैट मिल सकते हैं। यानी करीब एक लाख की आबादी को इससे फायदा मिल सकता है। एलडीए के एक अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण की 50 साल पुरानी योजनाओं में ऐशबाग, महानगर, निरालानगर, मालवीयनगर, राजेंद्रनगर, प्राग नरायन रोड व नैपियर रोड की कॉलोनियां शामिल हैं। इन कॉलोनियों में करीब 1000 भूखंड होंगे, लेकिन 100 ही ऐसे होंगे जहां पर तय शर्तों को पूरा करते हुए अपार्टमेंट बनाए जा सकते हैं। इनमें करीब 2000 फ्लैट ग्रुप हाउसिंग के नियमों का पालन करते हुए बनाए जा सकेंगे। यदि एक परिवार में पांच सदस्य मान लिए जाएं तो करीब एक लाख लोगों को इस नए प्रस्ताव का फायदा मिलेगा।

सीवर–पानी की समस्याएं न बढ़ें, इसके लिए अभी से तलाशने होंगे समाधान

पुरानी कॉलोनियों में अपार्टमेंट बनने पर सीवर और पानी की आपूर्ति व्यवस्था पर बोझ बढ़ेगा। इन कॉलोनियों में सीवर और पानी की लाइनें पुरानी हैं। उनकी क्षमता भी नहीं बढ़ाई गई। ऐसे में आबादी बढ़ने से सीवर चोक होने की समस्या भी बढ़ेगी। राजाराम मोहन राय वार्ड में गोखले मार्ग और मदन मोहन मालवीय मार्ग पर अपार्टमेंट बनने के बाद ऐसी समस्या कई वर्षों से है। इन इलाकों में आए दिन सीवर चोक होता रहता है। ऐसे में सीवर और पानी की आपूर्ति व्यवस्था को पहले से ही भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार करना होगा।

15 माह में फैसला–कैमरे ने किया बेनकाब, डीएनए ने दी गवाही

बरेली में बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद

बरेली। बरेली में दुष्कर्म के दोषी युवक को 20 साल कैद की सजा सुनाई गई है। उसने 15 महीने पहले आठ साल की बच्ची से दरिंदगी की थी। दोषी पर अर्थदंड भी लगाया गया है। बरेली में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) उमाशंकर कहार ने दोषी को 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। महज 15 माह में दोषी जाहिद ऊर्फ भूरा को सुनाई गई सजा में डीएनए जांच रिपोर्ट की अहम भूमिका रही। घटनास्थल से बरामद बाल, नाखून के टुकड़े, टी शर्ट व अन्य कपड़ों से लिए गए नमूने भूरा की डीएनए रिपोर्ट से मिलान खा गए। इसके अलावा बच्ची को ले जाते हुए वह कैमरे में भी कैद हुआ था। घटना 14 जून 2023 की बारादरी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की है। बच्ची शाम को कुछ सामान लेने पास की दुकान गई थी।

हत्या की कोशिश की थी

इसी दौरान जाहिद उर्फ भूरा उसको फुसलाकर खाली प्लॉट पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। वह रोने लगी, तो जान से मारने की नीयत से उसका गला दबाया। इससे वह बेहोश हो गई। होश आने पर घर पहुंची और मां को घटना की जानकारी दी। पिता ने घरों में लगे कैमरों को चेक कराया तो जाहिद बालिका को ले जाते दिखा। पिता की शिकायत पर बारादरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की। सितंबर 2023 में आरोपपत्र अदालत में पेश किया। मामले में कुल 15 साक्ष्य व 14 गवाह अदालत में पेश किए गए। दोनों पक्षों को सुनने और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने आरोपी जाहिद ऊर्फ भूरा को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। जुर्माने की पूरी रकम राहत और पुनर्वास के लिए पीड़िता को दी जाएगी।

किशोरी से दुष्कर्म के दो दोषियों को 20–20 साल की सजा

कोर्ट संख्या–दो (पॉक्सो एक्ट) ने किशोरी से दुष्कर्म के मामले में दो दोषियों को 20–20 साल की कैद और 27–27 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि अदा न करने की दशा में दोषियों को छह–छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। फतेहगंज पश्चिमी थाने के एक गांव के व्यक्ति ने शाकिर और शाहिद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि दोनों उसकी 15 साल की बेटी को 27 जनवरी 2021 को बहला–फुसलाकर ले गए।

अब यहां भी रुकेगी वंदे भारत धर्मनगरी का सफर सुहाना बनाएगी यह लग्जरी ट्रेन

राजधानी लखनऊ से देहरादून जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के आवागमन में 10 दिसंबर से पांच मिनट तक का बदलाव हो जाएगा। इस ट्रेन को 10 दिसंबर से प्रायोगिक तौर पर नजीबाबाद स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव दिया जाएगा। 22545ध्22546 लखनऊ–देहरादून–लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस ऑक्यूपेंसी के मामले में बाकी ट्रेनों से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। ऐसे में इसके कोचों की संख्या भी आठ से बढ़ाकर 10 की जानी है। ” ”

यहां तो अस्पताल ही बीमार हैं, इलाज न मिलने पर मरीज को ठेले पर ले गए घर वाले

यूपी के सोनभद्र मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में अव्यवस्थाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। यहां कई दिनों से भर्ती लकवा ग्रसित मरीज को उपचार न मिलने पर परिजन ठेले से उसे घर ले गए। अब वैद्य के यहां उपचार कराने की तैयारी है। ” ”

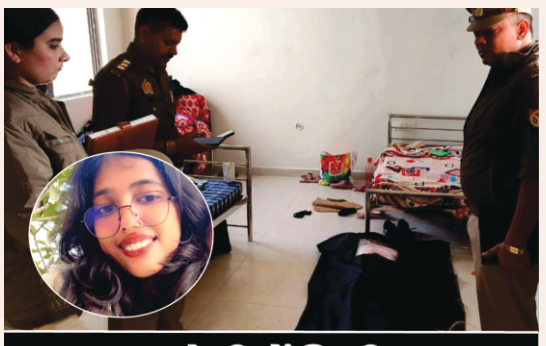

बरेली में निजी विश्वविद्यालय के हॉस्टल में छात्रा ने की आत्महत्या

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में निजी विश्वविद्यालय के छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। इस छात्रावास में सप्ताह भर बाद ही आत्महत्या का एक और मामला सामने आने से सनसनी फैल गई है। ” ”

कानपुर के चकेरी में घर के अंदर डबल मर्डर की सनसनीखेज वारदात हुई। एक शख्स ने अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला। इस दौरान बचाने आई सास की भी उसने हत्या कर दी। शोर सुनकर पड़ोसी ने पुलिस को सूचना दी। ” ”

राजकपूर संग काम करने की चाहत ने बना दिया पर्दे पर खलनायिका, प्यार में भी मिला धोखा

काजल राघवानी भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार हैं, जिनकी मुस्कान लाखों दिलों की धड़कन है। उनकी अदाएं और डांस का जादू ऐसा है कि हर कोई बस उन्हें देखता ही रह जाता है। उनकी फिल्मों में उनकी मौजूदगी स्क्रीन पर आग लगा देती है, और उनका फैन बेस दिन–ब–दिन बढ़ता ही जा रहा है। काजल के स्टाइल और टैलेंट ने उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन बना दिया है।

एंटरटेनमेंट डेस्क। 50 के दर्शक में फिल्मों में वैंप यानी खलनायिका का लुक भी हीरोइन जैसा ही हुआ करता था लेकिन नादिरा ने इस छवि को बदलकर रख दिया। वह पर्दे पर अपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी गईं। जानिए, अभिनेत्री नादिरा के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें। यहूदी परिवार में जन्मी नादिरा उर्फ फ्लोरेंस एजेकील ने बॉलीवुड फिल्मों में बतौर अभिनेत्री ही शुरुआत की थी। फिल्म 'आन' में वह दिलीप कुमार की हीरोइन बनीं, बतौर हीरोइन यह उनकी पहली फिल्म रही। इसके बाद नादिरा ने कई फिल्मों में काम किया, जिनमें वह मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में रहीं। नादिरा बॉलीवुड में एक चर्चित अभिनेत्री बन गई थी लेकिन राजकपूर के साथ फिल्म ' श्री 420' का ऑफर स्वीकार करना उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। आज 50 के दशक की इसी चर्चित अभिनेत्री नादिरा का जन्मदिन (5 दिसंबर1932) है। नादिरा के फिल्म करियर और जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में जानिए।

`श्री 420´ ने बदल दी करियर की राह

नादिरा बतौर हीरोइन हिंदी फिल्मों में स्थापित हो चुकी थी। वह राजकपूर की बहुत बड़ी फैन भी थी। ऐसे में नादिरा के पास फिल्म 'श्री 420' का ऑफर आया, इसमें राजकपूर उन्हें खलनायिका के किरदार में लेना चाहते थे। नादिरा ने एक बार भी नहीं सोचा और राजकपूर की इस फिल्म को करने के लिए हामी भर दी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खूब चली। इसमें नरगिस ने हीरोइन का रोल और नादिरा ने वैंप का रोल किया था। फिल्म 'श्री 420' में नादिरा का बोल्ड अंदाज भी खूब चर्चा में रहा। लेकिन इस फिल्म के बाद उन पर खलनायिका का टैग लग गया। आगे नादिरा को ऐसे ही किरदार ऑफर हुए। अपनी छवि को बदलने की कोशिश भी नादिरा ने की, लेकिन वह सफल नहीं हुईं। आखिर में नादिरा ने फिल्मों में नेगेटिव रोल ही स्वीकार करना शुरू कर दिया।

शाही शौक रखने वाली अभिनेत्री

ऐसा माना जाता है कि नादिरा अपने समय में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री रही। साथ ही वह पहली एक्ट्रेस थी जिन्होंने रॉल्स रॉयल्स कार खरीदी थी। वह एक शाही जिंदगी जीने की शौकीन अभिनेत्री थी, इसलिए खुद पर खुलकर खर्च करती थीं।

प्यार में मिली नाकामयाबी

फिल्मों में नादिरा को मनचाही सफलता मिली लेकिन वह प्यार में पूरी तरह से असफल रहीं। नादिरा ने दो शादियां की और दोनों ही रिश्तों में उन्हें प्यार नहीं मिला। पहली शादी गीतकार नक्शाब से की लेकिन पति की बेवफाई से तंग आकर नादिरा ने उनका साथ छोड़ दिया, उन्हें तलाक दे दिया। इसके बाद एक अरब मूल का व्यक्ति नादिरा के जीवन में आया और दोनों ने शादी कर ली। नादिरा को पता चला कि वह व्यक्ति उनके पैसों के पीछे पड़ा है और कुछ काम भी नहीं करता है। ऐसे में नादिरा ने अपने दूसरे पति को भी छोड़ दिया।

आखिर में निभाई मां की भूमिकाएं

जब तक नादिरा यंग नजर आईं, वह फिल्मों में खलनायिका या वैंप के रोल करती रहीं। उम्रदराज होने पर उन्होंने फिल्मों में मां की भूमिकाएं करना शुरू कर दिया। फिल्म 'जूली (1975) और 'जोश' (2000) जैसी कई और फिल्मों में नादिरा ने मां की भूमिकाएं निभाई। कई फिल्मों में उनके किरदार को काफी पसंद भी किया गया। टीवी पर भी उन्होंने कुछ धारावाहिकों में अभिनय किया।

अंत में अकेली रह गई नादिरा

नादिरा ने जितनी शोहरत करियर के शुरुआत में पाई, उतना ही अकेलापन अंतिम समय में उनके जीवन में मौजूद रहा। आखिर समय में वह काफी बीमार रहने लगी थी, उनके साथ बस एक मेड रहा करती थी। दरअसल, नादिरा के परिवार के सभी सदस्य देश छोड़कर, दूसरे देशों में बस गए थे। मगर नादिरा ने अपनी कर्मभूमि भारत में ही रह जाने का फैसला लिया।

दो साल बाद राजश्री ठाकुर टीवी पर

लौटीं

17 साल पहले सावले रंग के किरदार से बनीं पहचान, अब फिर महिला सशक्तिकरण की कहानी से जुड़ी

दिल्ली। जी टीवी ने हाल ही में कानपुर में अपने नए शो बस इतना सा ख्वाब का लॉन्च किया, जो एक महिला के संघर्ष और उसके सपनों की कहानी पर आधारित है। राजश्री ठाकुर, जो 17 साल बाद जी टीवी पर वापसी कर रही हैं, इस शो को लेकर बेहद उत्साहित हैं। राजश्री ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा, श्17 साल बाद जी टीवी पर वापसी मेरे लिए बेहद खास है। यह घर लौटने जैसा है, क्योंकि मेरी शुरुआत यहीं से हुई थी। मुझे उम्मीद है कि लोगों को यह शो पसंद आएगा। मैं अपनी टीम का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने मुझ पर फिर से विश्वास दिखाया। यह शो महिलाओं के संघर्ष और उनके सपनों को पूरा करने की कहानी पर आधारित है। राजश्री ने कहा, आज के दौर में महिलाओं का काम करना बेहद जरूरी है। यह न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करता है बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। हालांकि, इसके लिए परिवार का सहयोग होना चाहिए। जब महिलाएं परिवार के साथ बैलेंस बनाकर चलती हैं, तो वे हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। इस शो में राजश्री ठाकुर के अपोजिट एक्टर योगेंद्र विक्रम सिंह नजर आएंगे।

सर, जूनियर बच्चन को हिंदी में बोलने को कहिए यूजर ने बिग बी से की गुजारिश तो मिला ये जवाब

एंटरटेनमेंट डेस्क। एक सोशल मीडिया यूजर ने अमिताभ बच्चन को ऐसी सलाह दी कि उन्होंने उसे ही सबक सिखा दिया। अमिताभ बच्चन ने काफी मजेदार अंदाज में जवाब दिया है। अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर अक्सर हिंदी भाषा में पोस्ट साझा करते हैं। फेसबुक, ट्विटर और एक्स पर उनके पोस्ट हिंदी में होते हैं। हाल ही में एक यूजर ने बिग बी से गुजारिश करते हुए लिखा कि वे जूनियर बच्चन यानी अभिषेक बच्चन से कहें कि वे हिंदी में बोला करें। यूजर का यह पोस्ट बिग बी ने अपनी वॉल पर शेयर करते हुए मजेदार जवाब दिया है।

बिग बी ने ली चुटकी

एक्स पर एक यूजर ने लिखा, श्सर जी जूनियर बच्चन जी को हिंदी में बोलने के लिए कहिए। इंग्लिश हमारी समझ में बराबर नहीं आती है। दरअसल, यूजर ने यह बात अंग्रेजी में लिखी है। इस पर बिग बी ने जवाब लिखा है, श्वाह ! क्या दृष्टिकोण है आपका ! अद्भुत ! बोलने को कहते हो हिन्दी में और लिखते हो अंग्रेजी अक्षरों में!

यूजर्स ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

अमिताभ बच्चन के इस पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। लिख रहे हैं, वाह, बच्चन साहब क्या जवाब दिया हैश। एक अन्य यूजर ने लिखा, बात में दम है। वहीं, कुछ लोग यूजर के पक्ष में बोलते दिखे हैं। एक यूजर ने लिखा, उसने बोलने के संदर्भ में बात की है, लिखने के नहीं। ज्यादातर लोग अंग्रेजी नहीं समझ पाते। अभिषेक बच्चन से कहिए कि वे हिंदी में बोला करें। इस शख्स को अभिषेक बच्चन की बात में रुचि होगी। कुछ यूजर सवाल कर रहे हैं, आपने ट्वीट में श्चुपश क्यों लिखा था?

प्यार में डूब रहे

बिग बॉस 18में अविनाश मिश्रा का ईशा सिंह के प्रति झुकाव किसी से छुपा नहीं है। फैंस को ऑन स्क्रीन दोनों की केमिस्ट्री देखने में काफी आनंद आ रहा है। हालांकिखबर है कि अविनाश मिश्रा की लाइफ में किसी और की एंट्री पहले से ही है। अविनाश काफी समय से उन्हें डेट भी कर रहे हैं। कौन है वो शख्स आइए जानते हैं।

एंटरटेनमेंट डेस्क,नई दिल्ली। टीवी एक्टर अविनाश मिश्रा इन दिनों बिग बॉस 18 के घर के सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक हैं। हाल ही में शो का एक प्रोमो वायरल हो रहा है जिसमें एक पत्रकार घर के बाहर उनके रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए उन्हें रोस्ट करती नजर आ रही हैं। अब फैंस इस बात का अंदाजा लगा रहे हैं कि वो कथित तौर उनकी गर्लफ्रेंड भाविका शर्मा के बारे में बात कर रही थीं।

अविनाश के बिग बॉस 18 के घर में प्रवेश करने से पहले अफवाहें थीं कि वह भाविका को डेट कर रहे थे। हालांकि दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की। दोनों को अक्सर साथ में समय बिताते हुए देखा गया था। सोशल मीडिया पर भी इनकी कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं। वहीं बिग बॉस में ईशा और अविनाश के बीच बॉन्डिंग को लेकर चर्चा भी रही। पिछले दिनों अविनाश ने गेम से ऊपर ईशा को रखा और उन्हें नॉमिनेशन से सेफ किया था। आइए जानते हैं कौन हैं अविनाश की गर्लफ्रेंड।

भाविका वर्तमान में श्गुम है किसी के प्यार मेंश में हितेश भारद्वाज और शक्ति अरोड़ा के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने 2015 में परवरिश – सीजन 2 से अभिनय की शुरुआत की थी। साल 2017 में उन्होंने जीजी मां में भी अभिनय किया। उन्होंने मैडम सर में कांस्टेबल संतोष शर्मा की भूमिका भी निभाई थी, लेकिन गुम है किसी के प्यार में में उनके किरदार ने उन्हें खूब पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद से वो घर–घर मशहूर हो गईं। बिग बॉस 18 के घर में अविनाश के आने के बाद, दोनों के एक दोस्त ने दावा किया था कि वह भाविका को डेट कर रहे थे। लेकिन दोनों इसे पब्लिक नहीं करना चाहते हैं

घर में ईशा से बढ़ रही अविनाश की नजदीकियां

आस्ट्रेलिया ने 101 रन का टारगेट 16.2 ओवर में चेज किया, मेगन शट को 5 विकेट

भारतीय महिला टीम पहला वनडे 5 विकेट से हारी

ब्रिस्बेन। भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच 5 विकेट से हार गई है। गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 16.2 ओवर में 5 विकेट पर 101 रन का टारगेट चेज कर लिया। ब्रिस्बेन के मैदान पर भारतीय कप्तान टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो गलत साबित हुआ। भारत 34.2 ओवर में 5 विकेट पर 100 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाबी पारी में ऑस्ट्रेलिया की ओपनर जॉर्जिया वोल ने नाबाद 46 रन की पारी खेली, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 35 रन बनाए।

भारत की ओर से जेमिमा रोड्रिगेज ने सबसे ज्यादा 23 रन बनाए। हरलीन देअल ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बना सकीं। जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने 5 विकेट झटके। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेगन शट ने 5 विकेट झटके। किम गैरथ, एश्ले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड और एलेना किंग को एक-एक विकेट मिले।

वोल-लिचफील्ड ने 48 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की 101 रन का टारगेट चेज कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मजबूत शुरुआत की। टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल और फोएबे लिचफील्ड ने 41 बॉल पर 48 रन की पार्टनरशिप की। वोल ने सदरलैंड के साथ 25 और गार्डनर के साथ 20 रनों की अहम साझेदारी भी की।

यहां से भारतीय पारी...

भारत ने आखिरी 5 विकेट 11 रन बनाने में गंवाए 89 रन के स्कोर पर भारतीय टीम का 5वां विकेट गिरा। यहां जेमिमा रॉड्रिगेज 23 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें किम गैरथ ने बोल्ड कर दिया। जेमिमा के आउट होते ही भारतीय पारी बिखर गई। टीम ने आखिरी 5 विकेट 11 रन बनाने में गंवा दिए। टीम इंडिया की खराब शुरुआत भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही है। टीम ने 42 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए हैं। टीम की टॉप-3 बैटर्स ने मिलकर 30 रन ही बनाए हैं। ओपनर प्रिया पुनिया 3 और स्मृति मंधाना 8 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, हरलीन देअल ने 19 रन बनाकर आउट हुईं। भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, साधू डेब्यू कर रहीं भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर तितास साधू को डेब्यू करने का मौका दिया है।

बड़ौदा ने टी-20 क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर बनाया

20 ओवर में 349 रन बनाए, भानू पानिया की सेंचुरी, 15 छक्के मारे

इंदौर। बड़ौदा ने टी-20 क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। टीम ने गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ 349 रन बनाए। बड़ौदा की ओर से भानू पानिया ने 51 बॉल पर नाबाद 134 रनों की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 15 छक्के जमाए। बड़ौदा ने इंदौर में खेले गए इस मुकाबले को 263 रन के बड़े अंतर से जीता। यहां कप्तान क्रुणाल पंड्या ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 349 बनाए। बड़ौदा ने जिम्बाब्वे के 344 रन का रिकॉर्ड तोड़ा। जिम्बाब्वे ने गाम्बिया के खिलाफ इसी साल अक्टूबर महीने में यह स्कोर बनाया था। जवाबी पारी में सिक्किम 20 ओवर में 86 रन ही बना सकी।

भानू पानिया ने 263 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए बड़ौदा की ओर से भानू पानिया ने नाबाद 134 रन की पारी खेली। उन्होंने 51 बॉल पर 262.74 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने 5 चौके और 15 छक्के जमाए। भानू 92 रन के टीम स्कोर पर ओपनर अभिमन्यु राजपूत (17 बॉल पर 53 रन) के आउट होने के बाद उतरे थे। उन्होंने शिवालिक शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 33 बॉल पर 94 और विष्णु सोलंकी के साथ तीसरे विकेट के लिए 34 बॉल पर 88 रनों की साझेदारियां की।

भानू ने 82: रन बाउंड्री से बनाए भानू ने 134 में से 110 रन बाउंड्री के जरिए बनाए। उन्होंने 82: रन बाउंड्री से बनाए। भानू ने दौड़कर महज 24 रन स्कोर किए। इसमें एक डबल रन शामिल रहा।

भानू की पारी से बने रिकॉर्ड...

भानू (134' रन) टी-20 का सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले बैटर बने हैं। उन्होंने दीपक हुड्डा (108 रन) को पीछे छोड़ा।

भानू टी-20 मैच में बाउंड्री से सबसे ज्यादा (110 रन) रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने केदार देवधर (80 रन) को पीछे छोड़ा।

भानू टी-20 में सबसे ज्यादा (15 छक्का) छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने दीपक हुड्डा के 9 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भानू शतकीय पारी से ट्रेंड पर आए सिक्किम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले भानू पानिया चर्चा में हैं। उन्होंने 51 बॉल पर नाबाद 134 रन बनाए। दुनिया की सबसे पॉपुलर टी-20 क्रिकेट लीग प्ल्: की टोटल ब्रांड वैल्यू पिछले साल के मुकाबले 13: बढ़कर 12 बिलियन डॉलर यानी 1. 01 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। ब्रांड वैल्यूएशन करने वाली कंपनी ब्रांड फाइनेंस की नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

भानू पानिया की पारी का बाउंड्री मीटर

कुल रन: 134

सिंगल	डबल	ट्रिबल
22	2	0

चौके	छक्के
20	90

IPL की ब्रांड वैल्यू 16 साल में 6 गुना बढ़ी

2009: ₹16,943 करोड़

IPL 2025 TATA IPL

2024: ₹1.01 लाख करोड़

ऐसे बना सबसे बड़ा स्कोर

2.4 ओवर	5.3 ओवर	8.5 ओवर
54/0	102/2	152/2
8.5 ओवर	**10.5 ओवर**	**13.5 ओवर**
152/2	202/2	250/3
17.2 ओवर	**20 ओवर**	
304/3	349/5	

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः- 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।